RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 155 ● भिलाई, बुधवार 24 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

स्थानीय कौशल, आधुनिक तकनीक से युवा बनेंगे रोजगार सृजनकर्ता

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने स्थानीय कौशल को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री पंचकुला में स्वदेशी महोत्सव-2025 के उद्घाटन अवसर पर जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार मुद्रा योजना, स्टैंड-अप इंडिया और एमएसएमई के लिए विशेष सब्सिडी जैसी योजनाओं के माध्यम से युवा उद्यमियों को सहयोग दे रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में हरियाणा में 12 लाख से अधिक पंजीकृत एमएसएमई कार्यरत हैं, जो हजारों लोगों को रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक ब्लॉक के विशिष्ट उत्पाद को पहचान दिलाने के लिए 'पद्मा' योजना शुरू की गई है।

क्या सोनिया गांधी अपने आप को यीशु मसीह से भी बड़ा मानती हैं : गौरव

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के क्रिसमस समारोह को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के बलिदान से जोड़कर दिए बयान ने देश में राजनीतिक पैदा कर दी है। भाजपा ने तेलंगाना सीएम के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भारतीय जनता पार्टी के नेता गौरव वल्लभ ने कहा कि मैं चाहूंगा कि वेटिकन में बैठे हुए पोप इस बात का संज्ञान लें और सोनिया गांधी बताएं कि क्या वो अपने आप को यीशु मसीह से भी बड़ा भी मानती हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि पोप इस बात का संज्ञान लें। कि भारत में एक संवैधानिक पद पर बैठा हुआ व्यक्ति यीशु मसीह के ऊपर सोनिया गांधी को रखता है। मैं चाहूंगा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री अपने आप को स्वर्ण पदक ऑन चाटूकारिता एंड चरण वंदना दें। उन्होंने कहा कि मैंने इससे ज्यादा चाटूकारिता और चरण वंदना का बयान अपने जीवन में नहीं सुना। अगर सोनिया गांधी तेलंगाना सीएम के इस बयान पर मौन हैं तो वह यह अपने आप को यीशु मसीह से अपने ऊपर मानती हैं।

भारत विरोधी उस्मान हादी की हत्या से भड़की हिंसा

भारत-बांग्लादेश संबंध खराब दौर में,ढाका ने बंद की वीजा

नई दिल्ली/ एजेंसी

बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद से ही भारत-बांग्लादेश संबंध खराब दौर से गुजर रहे हैं। बीते दिनों कट्टरपंथी नेता उस्मान हादी की मौत के बाद से दोनों देशों के संबंधों में और तनाव आ गया है। अब स्थिति ये हो गई है कि बांग्लादेश ने भारत में वीजा सेवाएं निलंबित करने का एलान कर दिया है। इससे पहले विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए भारत ने भी चटगांव में भारतीय मिशन की सेवाएं बर्खास्त करने का फैसला किया था। तो आइए जानते हैं कि कैसे भारत और बांग्लादेश के संबंध बिगड़ रहे हैं और इस पूरे विवाद की वजह क्या है। बांग्लादेश में बीते दिनों भारत विरोधी और शेख हसीना सरकार विरोधी नेता उस्मान हादी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उस्मान हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में हिंसा भड़क गई। कट्टरपंथियों का आरोप है कि उस्मान हादी के हत्यारे भागकर भारत चले गए हैं और वहां छिपे हैं। हालांकि बांग्लादेश की सरकार का ही कहना है कि संदिग्ध आरोपियों के भारत भागने के सबूत नहीं हैं। भारत ने भी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। हालांकि कट्टरपंथियों को उस्मान हादी की हत्या से भारत विरोध का मौका मिल गया है। इससे बांग्लादेश में अराजकता का माहौल है। उस्मान हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में भारतीय मिशन के बाहर भी विरोध प्रदर्शन हुए। जिसके बाद भारतीय अधिकारियों की सुरक्षा को देखते हुए भारत ने चटगांव में अपने मिशन की

सेवाएं निलंबित करने का फैसला किया है। उस्मान हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। इसी दौरान बीते हफ्ते मयमनसिंह इलाके में एक हिंदू युवक की ईशनिंदा के आरोप में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई और बाद में उसके शव को आग लगा दी गई। इस घटना का वीडियो भी सामने आया, जिसकी दुनियाभर में निंदा हो रही है। संयुक्त राष्ट्र ने भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे जुल्म को लेकर चिंता जताई है। भारत सरकार ने भी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार किस तरह दबाव में है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मदद के लिए मोहम्मद यूनुस ने अमेरिका फोन मिलाया है। मोहम्मद यूनुस ने सोमवार को करीब आधा घंटे तक अमेरिका के दक्षिण और मध्य एशिया के विशेष दूत सर्जियो गोर से फोन पर बात की। इस बातचीत में मोहम्मद यूनुस ने अमेरिका को विश्वास दिलाया कि वहां आम चुनाव समय पर यानी 12 फरवरी 2026 को ही होंगे। दरअसल बांग्लादेश में जारी हिंसा और अराजकता के चलते वहां अगले साल होने वाले आम चुनाव को लेकर आशंका पैदा हो गई है। हालांकि मोहम्मद यूनुस ने अमेरिका को विश्वास दिलाया है ।

कोलकाता से दिल्ली तक प्रदर्शन, ढाका में भारतीय उच्चायुक्त तलब; मिशनों की सुरक्षा पर चिंता

भारत में बांग्लादेशी दूतावासों की सुरक्षा को लेकर चिंताओं के बीच, बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को मंगलवार को बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय में तलब किया गया। राजनयिक सूत्रों ने इस मामले की पुष्टि की। सूत्रों के अनुसार, नई दिल्ली और कोलकाता सहित भारत के कई हिस्सों में स्थित बांग्लादेशी मिशनों के आसपास उभरती सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर वर्मा को बुलाया गया था। सूत्रों के मुताबिक मंगलवार को बांग्लादेश के विदेश सचिव असद आलम सियाम ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को विदेश मंत्रालय बुलाया। यह बैठक भारत के विभिन्न हिस्सों, विशेषकर नई दिल्ली और कोलकाता में स्थित बांग्लादेशी मिशनों की सुरक्षा को लेकर बुलाई गई थी।

उपराज्यपाल ने केजरीवाल को जिम्मेदार ठहराया

11 साल की उपेक्षा ने राजधानी को आपात स्थिति में पहुँचाया..

नई दिल्ली/ एजेंसी

राजधानी दिल्ली एक बार फिर दम घोंटू हवा के शिकंजे में है। 27 निगरानी स्टेशनों पर एक्यूआई 400 के पार पहुंच चुका है और कई इलाकों में हालात बेहद गंभीर हैं। आनंद विहार, नेहरू नगर, ओखला, मुंडका और सिरीफोर्ट जैसे क्षेत्र सांस लेना तक मुश्किल कर रहे हैं। घना कोहरा, ठहरी हवा और गिरता तापमान मिलकर प्रदूषण को और खतरनाक बना रहे हैं। इसी बीच उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 15 पन्नों का लंबा पत्र लिखकर राजधानी की जहरीली हवा के लिए उनकी सरकार को जिम्मेदार ठहराया। पत्र में आरोप है कि 11 साल की उपेक्षा और आपराधिक निष्क्रियता ने दिल्ली को इस आपात स्थिति तक पहुंचाया। यह पत्राचार ऐसे समय आया है जब दिल्ली में अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सरकार चला रही हैं। देखा जाये तो दिल्ली की हवा आज जिस मुकाम पर है, वहां बहानेबाजी की गुंजाइश खत्म हो चुकी है। उपराज्यपाल और केजरीवाल के बीच हुआ यह पत्राचार सिर्फ राजनीतिक कटाक्ष नहीं, बल्कि एक कड़वा सच है जिसे सत्ता में रहे हर चेहरे को स्वीकार करना होगा। 11 साल बनाम 11 महीने की बहस से जनता का दम नहीं लौटेगा। सवाल यह है कि जिम्मेदारी कौन लेगा और कब। केजरीवाल सरकार ने अपने कार्यकाल में प्रदूषण पर आक्रामक कार्रवाई के वादे किए थे लेकिन किया कुछ नहीं।

पंजाब सरकार ने सरकारी स्कूलों में एआई आधारित करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम शुरू किया

चंडीगढ़। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि छात्रों को करियर मार्गदर्शन के समान अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पंजाब सरकार ने सरकारी स्कूल शिक्षा प्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित करियर मार्गदर्शन को एकीकृत करने की एक अनूठी पहल शुरू की है। बैंस ने नंगल के सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल और श्री आनंदपुर साहिब के सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल (गर्ल्स) में एक साथ इन प्रयोगशालाओं का उद्घाटन करके इस पहल की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि प्रायोगिक चरण के तहत, सरकारी और पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड (पीएसईबी) से संबद्ध स्कूलों में 25 एआई आधारित करियर मार्गदर्शन प्रयोगशालाएं शुरू की गई हैं।

राहुल गांधी ने जर्मनी से केंद्र पर नया हमला बोला

बीजेपी ने भारत के संस्थागत ढांचे पर कब्ज़ा कर लिया है

नई दिल्ली। एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपना आरोप दोहराया है कि बीजेपी भारत के संस्थागत ढांचे पर कंट्रोल कर रही है, जिसे उन्होंने देश के लोकतांत्रिक सिस्टम पर हमला बताया। जर्मनी के बर्लिन में हर्टी स्कूल में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने दावा किया कि केंद्र सरकार ने जांच एजेंसियों को राजनीतिक हथियार बना लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसमें एक लेन-देन हुआ है, जिसमें बिजनेस कम्युनिटी के कुछ लोग विपक्षी पार्टियों का समर्थन करने के बजाय बीजेपी को आर्थिक मदद दे रहे हैं। संस्थाओं पर सवाल: राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि न्यायपालिका, मीडिया और चुनाव आयोग जैसे संस्थानों की स्वतंत्रता प्रभावित हो रही है। विदेशी मंच से प्रहार: यह बयान उन्होंने जर्मनी के दौरे के दौरान एक संवाद कार्यक्रम में दिया। लोकतंत्र का मुद्दा: उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की वर्तमान स्थिति को लेकर वैश्विक मंच पर अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि संस्थानों पर सिस्टमैटिक तरीके से कब्ज़ा किया जा रहा है, और कहा कि ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का चुनिंदा तरीके से इस्तेमाल किया जा रहा है। उनके मुताबिक, बीजेपी के खिलाफअसल में कोई केस नहीं हैं। जबकि ज़्यादातर राजनीतिक केस सत्ताधारी पार्टी का विरोध करने वालों को टारगेट करते हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस का समर्थन करने वाले बिजनेसमैन को डराया-धमकाया जा रहा है।

पत्नी हिमानी मोर भी रहीं मौजूद

नीरज चोपड़ा ने पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। नीरज के साथ इस दौरान पत्नी हिमानी मोर भी मौजूद रहीं। नीरज ने इस साल पूर्व टेनिस खिलाड़ी हिमानी से शादी की थी और वह फिलहाल ब्रेक पर चल रहे हैं। पीएम मोदी ने एक्स पर नीरज के साथ मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा, 'नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोरी के साथ आज सात, लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की। हमने इस दौरान खेल सहित विभिन्न मुद्दों पर बात की। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा इस साल आखिरकार 90 मीटर की बाधा पार करने में सफल रहे, लेकिन वह विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव नहीं कर सके थे। नीरज ने दोहा डायमंड लीग में भाला फेंक में मानक माने जाने वाले 90 मीटर की दूरी हासिल की।

आवारा कुत्ते के हमले में 11 वर्षीय लड़का घायल

फगवाड़ा। पंजाब के फगवाड़ा में रविवार को तिब्बी रेलवे क्रॉसिंग के पास आवारा कुत्तों के झुंड के हमले में एक 11 वर्षीय लड़का गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बच्चे को तुरंत चिकित्सा उपचार के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया।पीड़ित की पहचान तिब्बी इलाके के निवासी विकास कुमार के पुत्र पीयूष कुमार के रूप में हुई है। परिवार के अनुसार, पीयूष रेलवे ट्रैक के पास अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था, तभी इलाके में खुलेआम घूम रहे कुछ आवारा कुत्तों ने अचानक उन्हें घेर लिया। अन्य बच्चे तो भागने में सफल रहे, लेकिन पीयूष को घेर लिया गया और कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में चार्जशीट से हड़कंप

काली कमाई में भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य की हिस्सेदारी, 250 करोड़ के लेनदेन का आरोप....

रायपुर। एंटी करप्शन ब्यूरो इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने अपनी चार्जशीट में दावा किया है कि छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य को राज्य में कथित शराब घोटाले से अपने हिस्से के तौर पर 200 करोड़ रुपये से 250 करोड़ रुपये मिले। राज्य पुलिस की एसीबी ईओडब्ल्यू ने सोमवार को यहां एक विशेष अदालत में दायर मल्टी-करोड़ शराब घोटाले में अपनी सातवीं सप्लीमेंट्री चार्जशीट में दावा किया कि चैतन्य बघेल ने एक्साइज डिपार्टमेंट के अंदर (पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान, जो 2018-23 तक सत्ता में थी) एक जबरन वसूली रैकेट (सिंडिकेट) को स्थापित करने, कोऑर्डिनेट करने और बचाने में अहम भूमिका निभाई। एसीबी ईओडब्ल्यू के एक बयान में कहा गया है कि लगभग 3,800 पन्नों के इस बड़े डॉक्यूमेंट में चैतन्य बघेल को 3,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा के कथित घोटाले में आरोपी बनाया गया है। पीटीआई ने चार्जशीट के हवाले से बताया, सबूतों से पता चलता है कि चैतन्य ने ऊंचे लेवल पर अपराध की कमाई को मैनेज करने के साथ-साथ अपने हिस्से के तौर पर लगभग 200 करोड़-250 करोड़ रुपये प्राप्त किए। एसीबी ईओडब्ल्यू के एक बयान के अनुसार, लगभग 3,800 पन्नों के एक बड़े डॉक्यूमेंट में चैतन्य बघेल को कथित घोटाले में आरोपी बनाया गया है, जिसका अनुमानित मूल्य 3,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इस मामले में अब तक आठ चार्जशीट दाखिल की जा चुकी हैं। नवीनतम चार्जशीट चल रही जांच के बारे में अपडेट देती है, जिसमें वर्तमान में हिरासत में लिए गए सभी व्यक्तियों से संबंधित डिजिटल सबूत शामिल हैं। इसमें आरोपियों की जांच में हुई प्रगति का भी जिक्र है। चार्जशीट के अनुसार, चैतन्य बघेल ने कथित तौर पर व्यवसायी अनवर ढेबर की टीम द्वारा किए गए घोटाले की कमाई को संभालने और ट्रांसफर करने के लिए अपने भरोसेमंद नेटवर्क का इस्तेमाल किया, और फंड को ऊंचे लेवल तक पहुंचाया। इसमें दावा किया गया है कि उन्होंने शराब व्यवसायी त्रिलोक सिंह ढिल्लों के स्वामित्व वाली कई फर्मों के माध्यम से अपना हिस्सा प्राप्त किया।

माओवादियों ने डीजीपी के सामने किया आत्मसमर्पण

1.84 करोड़ के इनामी 22 माओवादियों ने किया गया आत्मसमर्पण,एके-47 समेत हथियार सौंपे...

सुकमा/ संवाददाता

पिछले कई सालों से सुकमा जिले के केरलापाल और दोरनापाल इलाके में सक्रिय रहे 22 माओवादियों ने ओड़िसा के मलकानगिरी में डीजीपी के समक्ष आत्म समर्पण किया है। सभी पर 1 करोड़ 84 लाख का इनाम घोषित था। माओवादियों ने च-47 समेत 9 हथियार लेकर पहुंचे थे। सभी माओवादियों का फूल के साथ स्वागत किया गया और शासन की पुनर्वास नीति का लाभ देने की बात अधिकारियों ने कही। मंगलवार को जिले की सीमा से लगा ओड़िसा का मलकानगिरी जिला मुख्यालय में 22 माओवादियों ने आत्म समर्पण कर दिया। ओड़िसा के डीजीपी योगेश बहादुर खुरानिया और एडीजी नक्सल संजीप पंडा ने सभी माओवादियों को फूल देकर स्वागत किया। इन 22 माओवादियों पर 1 करोड़ 84 लाख का इनाम घोषित था। सभी को फूल दिया गया और मुख्यधारा से जुड़ने की बधाई दी गई। इस दौरान अखिलेश्वर सिंह डीआइजी एसआईडब्ल्यू समेत

पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। लिंगे उर्फ मुये मड़कम (डीसीएम कमांडर) सुकमा, बामन मड़कम (एसीएम कमांडर दोरनापाल एलओएस), सुक्का मुचाकि (एसीएम कमांडर बडेशेट्टी एलओएस), एतु अलमी उर्फ रितेश (एसीएम केरलापाल एलओएस), कोसा कब्सी (एसीएम कमांडर प्लाटून 26), बटी मड़कम (एसीएम डिप्टी कमांडर), जोगी मुचाकी (एसीएम केरलापाल), रीता पोडियम (पीएम प्लाटून 31), जोगी सोढ़ी (पीएम दोरनापाल), भीमे कलमु (पीएम दोरनापाल) मंगली बंजामी (प्लाटून 26), जोगा मुचाकी (प्लाटून 26), अडमे मुचाकी (प्लाटून 26), माड़वी कोसा (पीएम केरलापाल), कुंजाम हुर्रा (पीएम केरलापाल), माडा माड़वी (पीएम केरलापाल), मुचाकी हिड़मा (पीएम केरलापाल), देबा माड़वी (पीएम दोरनापाल), अर्जुन मंडावी (पीएम जगरगुंडा), सागर (पीएम सीसी प्रोटेक्शन टीम), सोमे मीडियम ओर अनिला (पीएम कंपनी 10 गड़चिरोली एसी) ने आत्म समर्पण किया। आत्म समर्पण करने पहुंचे माओवादियों के पास सरेंडर के दौरान नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को हथियारों का जखीरा सौंपा. इनमें एके-47, 2 राइफल, 1 एसएलआर समेत कुल 9 हथियार, भारी मात्रा में गोला-बारूद और अन्य नक्सली सामग्री शामिल है.

अटकलों के बीच दिल्ली दौरा

राजनीति के लिए नहीं आया-डीके शिवकुमार

कर्नाटक। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को दिल्ली यात्रा के बारे में स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि यह यात्रा केवल सिंचाई और शहरी विकास जैसे राज्य के मुद्दों पर केंद्रीय मंत्रियों से मिलने के लिए थी और उन्होंने किसी भी राजनीतिक एजेंडे से इनकार किया। उन्होंने कहा कि मैं यहां किसी राजनीति के लिए नहीं आया हूं; मैं केवल अपने राज्य, सिंचाई और शहरी विकास के संबंध में केंद्रीय मंत्रियों से मिलने आया हूं। मैं अभी अन्य राजनीतिक मुद्दों पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। उन्होंने अन्य राजनीतिक मामलों पर टिप्पणी करने से परहेज किया। यह सब मुख्यमंत्री पद के रोटेशन को लेकर चल रही अटकलों के बीच हो रहा है। सरकार के कार्यकाल का आधा समय पूरा होने के बाद ढाई साल के सत्ता-साझाकरण समझौते की अफवाहें फिर से जोर पकड़ रही हैं।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक भवन लोकार्पण के साथ 6 एटीएम का भी शुभारंभ

बेमेतरा। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बेमेतरा के नए भवन का लोकार्पण के साथ ही छह एटीएम का भी शुभारंभ अतिथियों के द्वारा किया गया। अतिथियों द्वारा सबसे पहले जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया गया तथा वहां पर वृक्षारोपण किया गया है तथा उपरांत कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, जहां पर दीप प्रज्वलित कर एटीएम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नव नियुक्त अध्यक्ष प्रितपाल बेलचंदन ने संबोधित करते हुए कहा कि सहकारिता के नियम को पढ़े बगैर यदि आप लोग कोई काम करेंगे तो परेशानी का सामना कर सकते हैं, इसलिए सहकारिता की कार्य के लिए करने के पहले आप इसके नियम को अवश्य पढ़ें उन्होंने कहा कि इसमें सूझबूझ बहुत जरूरी है। इसमें चूक नहीं करना है, क्योंकि इसका देर से परिणाम भी बहुत खराब आता है, जिसके कारण लोग पानी तक नहीं मांगते। उन्होंने कहा कि सहकारिता पुरुष ठाकुर प्यारेलाल का जन्म शताब्दी दिन है। इस अवसर पर बेमेतरा में सहकारिता के क्षेत्र में एक नया और कदम बढ़ाते हुए खुद का एक स्वयं का भवन बनकर तैयार हो गया है। उन्होंने कहा सहकारिता के लिए योजना बनाने की जरूरत है और सहकारिता क्या है और इसे कैसे पवित्र रखना है इसका अध्ययन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जहां 500 रकाब जमीन है वहां पर 8 से 10 डेसिमल सुरक्षित रखना चाहिए साथ ही अपने सोसाइटियों का भी एडिट करने की बात उन्होंने कही। उन्होंने यह भी कहा कि सहकारिता क्षेत्र में कार्य करने वाले से कहा कि हर आवश्यकता की पूर्ति करने के लिए प्रयास हम जरूर करेंगे लेकिन यह बिल्कुल मान के चलिए की सहकारिता काम करना और अपने समाज के लिए काम करना यह दोनों अलग-अलग बातें हैं। उन्होंने बताया कि पूरे छत्तीसगढ़ में दुर्ग जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की सबसे ज्यादा ब्रांच है लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि एक तरफ सहकारिता नहीं चलने वाला है। इसमें अधिकारी कर्मचारियों की भी सहयोग की आवश्यकता होती है जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष नरेश यदु ने कहा कि जो जवाबदारी मिली है उसे मैं उसमें खरा उतरने का प्रयास निश्चित तौर पर किया जाएगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ रजक कर बोर्ड के अध्यक्ष पहलाद रजक ने भी विचार अपना रखें और नए भवन बनने पर शुभकामनाएं व्यक्त किया। बेमेतरा विधायक दीपेश साहु ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सहकारिता क्षेत्र में अब बेमेतरा के बैंक में वह सारी सुविधा मिलेगी जो अन्य बैंकों में मिलता है। साजा विधानसभा क्षेत्र के विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि जिस तरह से प्रदेश में विष्णु साय की सरकार चल रही है। इस तरह अब जिला सहकारी केंद्रीय बैंक भी प्रितपाल बेलचंदन के अध्यक्ष बनने के बाद रफ्तार पकड़ेगा। पूर्व विधायक अवधेश चंदेल ने मजदूरों के अधिकार के लिए लड़ने वाले ठाकुर प्यारेलाल सिंह की जयंती के अवसर पर उन्हें याद करते हुए नमन किया और कहा लोग जल्दी लोकल सामान पर विश्वास नहीं करते पर आप के नापसंद के कारण हजारों लोग के काम छिन जाता है। उन्होंने कहा नये अध्यक्ष बनने के बाद अब पुराने अविभाजित दुर्ग जिले के बुनकरों और स्थानीय व्यक्तियों को काम मिलने की निश्चित तौर पर उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने कहा कि स्वयं के मकान का बनने के बाद जो खुशी होती है, वह हम लोग को भी हो रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने भी शुभकामनाएं व्यक्त किया। अतिथियों की स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। इस कार्यक्रम में अन्य के अलावा प्रदेश भाजयुमो अध्यक्ष राहुल टिकरिहा बेमेतरा जिला सेवा सहकारी समिति अध्यक्ष संघ के जिला अध्यक्ष संजीव तिवारी हर्ष तिवारी भाजपा प्रदेश मंत्री संध्या परगनिहा सेवा सहकारी समिति पदुमसरा अध्यक्ष मोलेंद्र पटेल सेवा सहकारी समिति घोटवानी अध्यक्ष लेखु राम वर्मा सेवा सहकारी समिति बीजा के अध्यक्ष विरेंद्र वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सेफा में कश्मीर, कोण्डागांव एवं बैंगलुरू की टीम, जबलपुर मध्यप्रदेश व झारखण्ड स्पर्धा से हुए बाहर

मैच में पहुंचे सहकारी बैंक अध्यक्ष सचिन बघेल

डोंगरगांव नगर। नगर के विशाल जनसहयोग मैदान में सांसद खेल महोत्सव अंतर्गत खेले जा रहे ऑल इंडिया फुटबाल टूर्नामेंट में नागेश इलेवन कोण्डागांव तथा नर्मदा स्पोर्टिंग क्लब जबलपुर के मध्य मैच में कोण्डागांव 3-1 से जीत हासिल कर सेमीफायनल में पहुंच गई। दूसरा मैच में एसटीएफसी जम्मू कश्मीर एवं चक्रधरपुर स्पोंट्स क्लब झारखंड के बीच मैच बराबर हो गया। इस प्रकार सेफा में कश्मीर, कोण्डागांव एवं बैंगलुरू की टीम पहुंच चुकी है। पहला मैच नागेश इलेवन कोण्डागांव तथा नर्मदा स्पोर्टिंग क्लब जबलपुर के बीच खेला गया। मैच का पहला गोल जबलपुर टीम के मिस्टर पेमा ने 12 वें मिनट में करते हुए अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी, लेकिन यह बढ़त ज्यादा देर तक नहीं टिकी और कोण्डागांव के अनिल पटेल ने 14 वें मिनट में शानदार मैदानी गोल करके अपनी टीम को बराबरी पर ला दिया। मध्यान्तर के बाद 11 वें मिनट में ही कोण्डागांव टीम के प्रबिन ने शानदार मूवमेंट के साथ एक गोल करके अपनी टीम को 2-1 से बढ़त दिला दी। इस बीच जबलपुर की टीम ने मैच को पुनः बराबरी पर लाने भरसक प्रयास किया, लेकिन उसे कामयाबी नहीं मिली, उलटे कोण्डागांव टीम के हर्ष ने मैच समाप्ति के आठ मिनट पूर्व एक और गोल करके अपनी टीम को 3-1 से विजय के मुहाने पर पहुंचा दिया। दूसरा मैच एसटीएफसी जम्मू कश्मीर तथा चक्रधरपुर स्पोंट्स क्लब झारखंड के बीच खेला गया। इस मैच में भी दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एक दूसरे के गोलपोस्ट पर ताबड़तोड़ हमले किये, परन्तु दोनों टीमों के गोलची के बेहतरीन बचाव के कारण कोई भी टीम गोल करने में कामयाब नहीं हो सकी और अंत तक मैच 0-0 की बराबरी पर रहा। बता दें कि टूर्नामेंट का यह पहला मैच रहा, जो बराबरी पर खत्म हुआ।

दक्षिण कौशल फुटबाल संघ द्वारा आयोजित ऑल इंडिया फुटबाल प्रतियोगिता के छठवें दिन दो मैच खेले जायेंगे। आयोजन समिति के सागर वर्मा, इरफान कुरैशी ने बताया कि पहला मैच ब्रम्हविद क्लब रायपुर तथा एमईजी क्लब बैंगलुरू तथा दूसरा मैच मैसूरम क्लब हैदराबाद व चक्रधरपुर स्पोंट्स क्लब झारखंड के बीच खेला जायेगा।

शहीद वीर नारायण सिंह केवल एक व्यक्ति नहीं थे, बल्कि अन्याय शोषण और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष की जीवंत चेतना थे: दीपेश साहू

बेमेतरा। बेमेतरा के दुर्ग रोड स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित शहीद वीर नारायण सिंह बलिदान दिवस के गरिमामय कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप मे नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल पर पहुँचने पर सर्व आदिवासी समाज द्वारा उनका पारंपरिक रीति-रिवाजों, वेशभूषा एवं आत्मीय अभिनंदन के साथ भव्य स्वागत किया गया, जो आदिवासी संस्कृति की समृद्ध परंपराओं को दर्शाता है। कार्यक्रम में विधायक दीपेश साहू ने महान क्रांतिकारी, जननायक और आदिवासी अस्मिता के अमर प्रतीक शहीद वीर नारायण सिंह जी को श्रद्धा-सुमन अर्पित कर उनके बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह केवल एक व्यक्ति नहीं थे, बल्कि अन्याय, शोषण और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष की जीवंत चेतना थे। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के सामने आदिवासी समाज के अधिकार, स्वाभिमान और आत्मसम्मान के लिए जो अदम्य साहस दिखाया, वह आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने आगे कहा की आदिवासी समाज सदियों से जल, जंगल और जमीन का सच्चा संरक्षक रहा है। प्रकृति के साथ सहअस्तित्व की जो भावना आदिवासी समाज में देखने को मिलती है, वही सतत विकास का वास्तविक आधार है। आज जब पर्यावरण संरक्षण पूरी दुनिया की आवश्यकता बन चुका है, तब आदिवासी समाज की जीवनशैली हम सबके लिए मार्गदर्शक है। विधायक साहू ने अपने संबोधन में संविधानिक अधिकारों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा संविधान आदिवासी समाज को विशेष संरक्षण, सम्मान और अधिकार प्रदान करता है। पाँचवीं अनुसूची, वन अधिकार अधिनियम और सामाजिक न्याय से जुड़े प्रावधान इस बात का प्रमाण हैं कि आदिवासी समाज देश की मूल आत्मा है। इन अधिकारों की रक्षा और उनके प्रभावी क्रियान्वयन की जिम्मेदारी हम सभी की सामूहिक है। उन्होंने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि आज जब आदिवासी समाज के नन्हे-नन्हे बच्चों को पारंपरिक गीतों पर मनमोहक नृत्य करते देखा, तो यह स्पष्ट हो गया कि हमारी संस्कृति, परंपराएं और इतिहास सुरक्षित हाथों में हैं। इन बच्चों की जीवंत प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को ऊर्जा, आत्मीयता और गौरव से भर दिया–मैं स्वयं मंत्रमुग्ध हो गया। विधायक साहू ने आगे कहा कि वीर नारायण सिंह का बलिदान हमें समानता, सामाजिक न्याय और स्वाभिमान के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। हमें संकल्प लेना होगा कि हम उनके सपनों का ऐसा छत्तीसगढ़ बनाएँ, जहाँ हर वर्ग को सम्मान, अधिकार और समान अवसर प्राप्त हों। अंत में विधायक दीपेश साहू ने सर्व आदिवासी समाज द्वारा आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल इतिहास को जीवंत रखते हैं, बल्कि नई पीढ़ी को अपने महापुरुषों के विचारों, संघर्ष और बलिदान से जोड़ने का सशक्त माध्यम भी हैं। इस अवसर पर आर एन ध्रुव प्रांतीय अध्यक्ष अनुसूचित जाति मुरीत मांडवी अध्यक्ष सर्व आदिवासी समाज बेमेतरा हिरऊ राम ध्रुव, दरबार सिंह नेताम महादेव नेताम, पार्षद गौरव साहू, शहर मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष रेवाराम निषाद सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, सर्व आदिवासी समाज के वरिष्ठजन एवं बड़ी संख्या में नागरिकजन उपस्थित रहे।

नगर पालिका का घेराव का कोई वजह होना चाहिए: हर्ष तिवारी

बेमेतरा। भाजपा प्रवक्ता हर्षवर्धन तिवारी और नगर पालिका उपाध्यक्ष अशोक शर्मा सहित बेमेतरा पालिका परिषद के भाजपा पार्षदों ने पत्रकार वार्ता आयोजित किया गया था जिसमें में चर्चा करते हुए कहा भाजपा प्रवक्ता हर्षवर्धन तिवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार का पर्याय है। केन्द्र में मनमोहन सरकार से लेकर छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल की सरकार भ्रष्टाचार में आकंद डुबी हुई है। इसी कारण से देश व प्रदेश की जनता ने कांग्रेस पार्टी को नकार दिया है। राजनीति उनके लिए सेवा का माध्यम नहीं बल्कि देश की जनता की गाढी कमाई के लूट खसोट में लगे हुए है। भाजपा नेता हर्षवर्धन तिवारी ने कहा बेमेतरा नगर पालिका कांग्रेसी पार्षद एवं उनके नेता घेराव करने जा रहे है किन्तु कोई ठोस वजह होनी चाहिए, बल्कि उनके कार्यकाल में भ्रष्टाचार का पुलिंदा को पढ़ लेना चाहिए जो कांग्रेस देश को गर्त में ढकेल दी थी एवं बेमेतरा नगर में पिछले 05 वर्षो में कुर्सी, गार्डन कुर्सी, वाटर कूलर चौको के सौंदर्यीकरण के नाम पर जो किया है उसे आम जनता देखी है। इसलिए उन्हे विधानसभा से लेकर पार्षद तक नकार चुकी है, लेकिन परिषद के पहले बैठक में कांग्रेसी आदतनानुसार भ्रष्टाचार करने की सोच रखे थे बेमेतरा की जनता ने विजय सिन्हा को दूसरी बार नगर के विकास का दायित्व सौंपा है उनका कार्यप्रणाली जनता देख चुकी है और सुबह 05 बजे से रात्रि 08 बजे तक जनता के बीच में रहते है। जबकि कांग्रेस के नगर पालिका अध्यक्ष को जनता ढूढती थी वो सिर्फ मंचो में नजर आती थी।

शहर के विकास में कोई भेदभाव नहीं

इन लोगों ने कहा कि बेमेतरा नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने नगर के सर्वांगीण विकास के लिए सभी को साथ लेकर नगर विकास में लगे हुए है जो कांग्रेस को पच नही रहा है। वार्ड क्र. 14 में 02 करोड़ रूपये का नाला निर्माण जो नगर विकास के लिए जरूरी है, स्वीकृति प्रदान की गई है जो कि कांग्रेस पार्षद तोकेश्वर साहू का वार्ड है। शहर के विकास को देखा जाता है किसका वार्ड है जरूरी नहीं है। वार्ड क्र. 02में रीता पाण्डेय कांग्रेस की पार्षद है उनके वार्ड में 70 लाख के लगभग विकास कार्य की राशि स्वीकृति की गयी है। वार्ड क्र. 09 में कांग्रेस पार्षद नीलम टण्डन के वार्ड में 23 लाख का कार्य स्वीकृति दिया गया है, वार्ड क्र. 13 कांग्रेस पार्षद प्रकाश ठाकुर के वार्ड में 39 लाख के कार्य को स्वीकृति प्रदान की गयी है। वार्ड क्र. 15 कांग्रेस पार्षद रश्मि फणेन्द्र मिश्रा के वार्ड में 10 लाख की स्वीकृति की गई है। कहीं पर भी भेदभाव नहीं किया गया है।

भ्रष्टाचार में कांग्रेसी लिप्त

तिवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने राजू साहू को नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया है। वे अपने पुराने कार्यकाल में कुर्सी घोटाला किया था, 2.50 लाख की कुर्सियां खरीदी की गई जो कही नजर नहीं आता, स्टेट से 3 हजार प्रति नग के हिसाब से 48 हजार की लाईट खरीदी की गई, अपने वार्ड में 2.50 लाख का डस्टबीन क्रय किया जिसे जनता ढूंढ रही है। वॉटर फिल्टर की खरीदी भी की गयी एवं आपत्ति करने पर 01 वॉटर फिल्टर लगाया गया। पूर्व में वार्ड 19 की पार्षद जो वर्तमान में वार्ड 15 की पार्षद है उन्होने अपने पुराने कार्यकाल में अपनी निधि से राममंदिर में कुर्सी, आलमारी क्रय करना दिखाया था उसे उजागर होने पर रातोरात कुर्सी आलमारी मंदिर में भिजवाया गया कई स्थानों पर वॉटर कूलर क्रय किया गया। पत्रकार वार्ता में हर्षवर्धन तिवारी, उपाध्यक्ष अशोक शर्मा पार्षद नीतू कोठारी, सिमरन ताम्रकार विकास तंबोली आकिब मलकानी गौरव साहू, राजकुमार खांडे उपस्थित थे।

प्रज्ञा निर्वाणी की नियुक्ति महिला नेतृत्व को निर्णायक भूमिका देने की दिशा में मजबूत कदम: दीपेश साहू

बेमेतरा। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, जिला बेमेतरा की नव नियुक्त जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी पहुँची बेमेतरा विधायक दीपेश साहू से मुलाक़ात करने उनके निवास जहाँ विधायक साहू ने उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया, यह अभिनंदन केवल संगठनात्मक औपचारिकता नहीं, बल्कि जिले में महिला नेतृत्व को निर्णायक भूमिका देने के संकल्प का सार्वजनिक संकेत माना जा रहा है। विधायक दीपेश साहू ने कहा, यह जिम्मेदारी सम्मान नहीं, बल्कि परिवर्तन का संकल्प है। प्रज्ञा निर्वाणी के नेतृत्व में महिला मोर्चा जिले में नई ऊँचाइयों को छुएगा। हमारा लक्ष्य है कि हर वर्ग की महिला–ग्रामीण, शहरी, युवा, श्रमिक, स्व-सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं–अपनी योग्यता के अनुसार जिले और मंडल संगठन में स्थान पाएं और निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनें। विधायक दीपेश साहू ने कहा कि महिला मोर्चा सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तिकरण की रीढ़ बनेगा ये उम्मीद अब सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को है, जिला भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, भारतीय जनता पार्टी ने महिलाओं को केवल मंच की शोभा नहीं, बल्कि नेतृत्व की धुरी बनाया है शीर्ष नेतृत्व और प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी का मुझ पर जताया गया विश्वास जिले की हर महिला की क्षमता का सम्मान है, मेरी प्राथमिकता है–बूथ से जिला स्तर तक महिला नेतृत्व का निर्माण, प्रशिक्षण और सक्रिय भागीदारी। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला मोर्चा के माध्यम से महिलाओं को शिक्षा, स्वावलंबन, स्वास्थ्य जागरूकता, सामाजिक सुरक्षा और राजनीतिक प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर समाज और संगठन दोनों का नेतृत्व कर सकें। महिला मोर्चा आगामी समय में जमीनी अभियान, नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर और महिला-केंद्रित पहल के माध्यम से जिले भर में व्यापक प्रभाव स्थापित करेगा। विधायक दीपेश साहू ने भाजपा नेताओं और प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी की चयन प्रक्रिया का सराहना करते हुए। बेमेतरा महिलाओं के नेतृत्व क्षमता को पैना करने वाला बताया है।

उद्योग के पर्यावरण संवर्धन हेतु लोक सुनवाई में ग्रामीणों ने किया खुलकर विरोध

बेमेतरा। उद्योग के पर्यावरण संवर्धन हेतु लोक सुनवाई में ग्रामीणों ने खुलकर विरोध दर्ज कराया इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। मेसर्स अरहम जनता प्रा.लि. ग्राम नेवनारा, तहसील भिंभौरी, जिला-बेमेतरा छ.ग. में प्रस्तावित उद्योग के पर्यावरण संवर्धन हेतु लोक सुनवाई का आयोजन किया गया था, जहां आसपास के ग्रामीणों सहित विभिन्न राजनीतिक दल के नेता भी उपस्थित होकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस संबंध लोगों के द्वारा एक एक करके अपनी बात रखी गई जिसमें कहा गया है कि ग्राम नेवनारा, बेमेतरा का सर्वाधिक कृषि उपज प्रदान करने वाला गांव है, यहां चारों ओर हरियाली है हजारों पेड़ लगे है यहां के लोगों का मुख्य व्यवसाय खेती-किसानी, सब्जीयां, आदि कृषि से जुड़े व्यवसाय है। चारों तरफ हरयाली, अनेकों तालाब व नदी है यहाँ मेसर्स अरहम इस्पात प्रा.लि. कि उक्त परियोजना खुलने से व उसके उत्पादन से उत्सर्जित होने वाले प्रदूषित जहरीली वायु व पानी से पूरा गाँव व उसके आसपास के कई गांव का पर्यावरण पूरी तरह प्रदूषित हो जायेगा। जमीने कठोर व बंजर हो जायेगी, यहाँ कि खेती-किसानी चौपट हो जायेगी, लोग बेरोजगार हो जायेंगे तथा उन्हें यहाँ से मजबूरन सब कुछ बेचकर पलायन करना पड़ेगा। मेसर्स अरहम इस्पात प्रा.लि. कि उक्त प्रस्तावित मेसर्स अरहम इस्पात प्रा.लि. खुलने से पुरे गांव व उसके आसपास के कई गांवों का भू-जल स्तर काफी नीचे गिर जायेगा तथा उक्त प्रस्वावित उद्योग से निकलने वाली जहरीली गंदे पानी से भू-जल, तालाब व नदीयों का जल पुरी तरह प्रदूषित हो जायेगा। पीने योग्य व निस्तारी योग्य नहीं रहेगा, जिससे यहां रहने वाले ग्रामीणों, जीव-जंतुओं, वन्य प्राणियों, पक्षियों, मवेशियों आदि पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। उक्त प्रास्तावित परियोजना के खुलने से कारखानों से निकलने वाली जहरीली विषैली गैसें, डस्ट, काला धुआ आदि से गांव ही नहीं, पुरे बेमेतरा जिले का वायुमंडल प्रदूषित हो जायेगा, सांस लेने योग्य नहीं रहेगा, जिससे यहां को लोगो व जंगली जानवरों, पक्षियों आदि को श्वास रोग, नेत्र रोग, चर्म रोग आदि संबंधित गंभीर जानलेवा बिमारीयों का सामना करना पड़ेगा। ऐसे उद्योग धरसींवा, सिलतरा आदि क्षेत्रों में खुला है वहां उपरोक्त दुष्प्रभाव वहां देखने मिल रहा है साथ ही ऐसे प्रस्वावित उद्योगों के आस-पास अपराधों व नशा को कारोबार में बढ़ोत्तरी होती है और स्थानीय लोगों, ग्रामीणों की घोर उपेक्षा किया जाता है उनका शोषण, अत्याचार किया जाता है तथा रोजगार बाहरी लोगों को मिलता है। उक्त प्रास्तावित परियोजना के खुलने से वहां के पर्यावरण व वातावरण संतुलन बिगड़ जाता है विपरीत प्रभाव पड़ता है जैसे वर्षा कम होना, अम्ल वर्षा होना, गर्मी अधिक पड़ना, वायु में कार्बन व अन्य हानिकारक कण व पदार्थो आदि का बढ़ना।

जोगी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने भी विरोध दर्ज कराया

जोगी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी भी इस अवसर पर जोगी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी भी जन सुनवाई स्थान पर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि जन सुनवाई के संबंध लोगों को जो जानकारी संबंधित विभाग को देना था वह अब तक नहीं दिया गया है। इस लिए यह जनसुनवाई नियम विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि इस उद्योग के खुलने से जलवायु पर प्रभाव पड़ेगा इसी तरह बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने भी विभिन्न तथ्यों को प्रस्तुत करते हुए विरोध प्रकट किया।

गांधी मानवता और राजनीति के लिए अपरिहार्य: महेन्द्र

थानखमरिया। जिस महात्मा गांधी को देश में गोली का शिकार होना पड़ा उस गांधी के अंतिम शब्द थे, हे-राम, गांधी को पसंद अथवा नापसंद किया जा सकता है, लेकिन 21 सदी में गांधी मानवता और राजनीति दोनों के लिए अपिरिहार्य हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण योजना, केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा गांधी का नाम बदलकर, जी राम जी रख दिया है, जिस गाँधी से संपूर्ण विश्व प्रेरणा लेता है उस गांधी के लिए भाजपा सरकार के मन में जो नफरत है, वह दिख गई है। ऐसा करने से गांधी छोटे नहीं हो पाएंगे। किसी साहित्यकार ने ठीक ही कहा सूरत बुरी है न सीरत बुरी है बुरा है वही जिसकी नियत बुरी है, केंद्र की सरकार की नीति और नियत कभी अच्छी नहीं रही। मनरेगा देश की सबसे बड़ी और प्रभावी जनकल्याणकारी योजनाओं में से एक है और इस योजना ने देश के करोड़ परिवारों को रोजगार दिया है जिसको भाजपा सरकार कमजोर कर रही है। मनरेगा केवल एक रोजगार योजना नहीं बल्कि सामाजिक सुरक्षा का मजबूत आधार है।जिसे केंद्र की बीजेपी सरकार बहुमत के आधार पर मिटाना चाहती है एवं किसानों मजदूरों के साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार कर रही है, जिसे न्याय संगत नहीं कहा जा सकता उक्त विचार राष्ट्रीय कवि संगम के प्रांतीय सलाहकार महेंन्द्र विरदी ने व्यक्त किया।

विजय कप बेमेतरा प्रीमियर लीग का फाइनल मुकाबला संपन्न, जनप्रतिनिधियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

बेमेतरा। बेसिक मैदान बेमेतरा में आयोजित रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता विजय कप बेमेतरा प्रीमियर लीग के फाइनल मैच का आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। फाइनल मुकाबले में बड़ी संख्या में खेलप्रेमी दर्शक उपस्थित रहे। इस अवसर पर नागरिक आपूर्ति निगम अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, बेमेतरा विधायक दीपेश साहू एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना से खेलने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विशेष रूप से राजेश शर्मा, गौरव साहू, परमेश्वर वर्मा, बंटी चाचा, नीरज चांडक, योगेश वर्मा, अभिषेक मिश्रा एवं गौरव यदु की उपस्थिति रही, जिनकी सहभागिता से आयोजन की गरिमा और बढ़ी। आयोजन को सफल बनाने में आयोजक चिकी दानी एवं जुनू हिंगोरा, उदघोषक अभिषेक पाण्डे तथा आयोजन समिति के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अतिथियों एवं उपस्थितजनों द्वारा सभी आयोजकों एवं समिति सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। फाइनल मुकाबले के साथ ही विजय कप बेमेतरा प्रीमियर लीग का सफल समापन हुआ, जिसने क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का सराहनीय कार्य किया।

गुरु घासीदास बाबा की जयंती पर विकास व संस्कृति का संगम

विधायक दीपेश साहू ने किया विभिन्न विकाश कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

बेमेतरा। सतनामी समाज एवं ग्राम पंचायत फरी द्वारा आयोजित गुरु घासीदास बाबा की जयंती समारोह, लोकार्पण एवं भूमि पूजन कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत फरी में श्रद्धा, उत्साह एवं सामाजिक समरसता के वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने ग्राम के विकास को गति देते हुए जय स्तंभ चौक मे टाइल्स एवं सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन तथा डीएमएफ फंड से 10 लाख की लागत से निर्मित सीसी रोड का लोकार्पण किया। इन विकास कार्यों से ग्रामवासियों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी और ग्राम के समग्र विकास को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा की गुरु घासीदास बाबा ने सत्य, अहिंसा, समानता और मानवता का जो संदेश दिया, वह समाज को सही दिशा दिखाता है। सतनामी समाज ने सदैव सामाजिक समरसता, नैतिक मूल्यों और भाईचारे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आगे कहा कि विकास तभी सार्थक है जब वह समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। ग्राम पंचायत फरी में किए जा रहे विकास कार्य इसी सोच का परिणाम हैं। बाबा गुरु घासीदास के आदर्शों पर चलते हुए हम सभी को समतामूलक और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम के अंतर्गत रात्रिकालीन आयोजन में 'मां के अंगना' सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा संत गंगा के धार पंथी पार्टी, डुंडा द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक चेतना और आध्यात्मिक संदेश प्रभावी रूप से प्रस्तुत किए गए।

इस अवसर पर पार्षद नीतू कोठारी, सरपंच लक्ष्मण प्रसाद डेहरे, परमेश्वर साहू, ओमकार साहू, उपसरपंच रामेश्वर निषाद, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि, सतनामी समाज के वरिष्ठजन, सामाजिक संगठन के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

विधायक दीपेश साहू ने आयोजन समिति, ग्राम पंचायत एवं समस्त सतनामी समाज के प्रति सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनायें दी।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में बिछेगा मेट्रो का जाल, डिप्टी सीएम साव बोले- तेज गति से होगा काम

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मेट्रो का जाल बिछाने को लेकर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा, मेट्रो का काम प्रारंभिक स्तर पर है। चीन, अमेरिका के बाद भारत मेट्रो का जाल बिछाने में तीसरे स्थान पर पहुंचा है। छत्तीसगढ़ में तेज गति से आने वाले समय में काम होगा । वहीं दलहन-तिलहन लगाने खरीदी की अनुमति मिलने पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि दलहन तिलहन को बढ़ावा देने एक ऐतिहासिक कदम है। दलहन-तिलहन लगाने का क्रम कम हुआ था, मगर अब किसानों को इसका बड़ा लाभ मिलेगा। इसके साथ ही हाल ही में शामिल हुए नगरीय निकायों की बैठक को लेकर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि उत्तर मध्य क्षेत्रों के 5 नगरीय प्रशासन विभागों की बैठक केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में हुई। भारत सरकार द्वारा संचालित योजनाओं, पीएम आवास, स्वच्छता अभियान, मोबिलिटी के कामों की समीक्षा हुई। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के 'सर्वे' को लेकर किए गए सोशल मीडिया पोस्ट पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि सर्वे कौन रहा है, इसकी जानकारी नहीं है। मगर किसी को डराने का विषय नहीं है। जो गड़बड़ नहीं किया है, उसे डरने की जरूरत नहीं है। बिना तथ्यों के आधार पर बात नहीं करना चाहिए। आरोप-प्रत्यारोप से बचना चाहिए।

अटल जी जयंती पर छग को बड़ी सौगात: 25 दिसंबर को एक साथ 115 अटल परिसरों का होगा लोकार्पण

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर एक ऐतिहासिक आयोजन होने जा रहा है। प्रदेश की भाजपा सरकार नगरीय विकास के तहत निर्मित 115 अटल परिसरों का एक साथ लोकार्पण राजधानी रायपुर से करेगी। इस कार्यक्रम का नेतृत्व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। राजधानी रायपुर के फुंडहर स्थित अटल परिसर में आयोजित इस राज्यस्तरीय कार्यक्रम में डिप्टी मुख्यमंत्री एवं नगरीय निकाय मंत्री अरुण साव भी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। इसके अलावा कई मंत्री, सांसद, विधायक और महापौर भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसी मंच से मुख्यमंत्री पूरे प्रदेश के अटल परिसरों का वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। प्रदेश की भाजपा सरकार लगातार यह दोहराती रही है कि छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण अटल बिहारी वाजपेयी की दूरदर्शिता का परिणाम है। इसी सोच के तहत नगरीय निकाय विभाग ने प्रदेश के नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में अटल परिसरों का निर्माण कराया है। भाजपा का मानना है कि जिनके नेतृत्व में राज्य बना, उन्हीं के विचारों से राज्य का विकास भी होगा। प्रदेश के कुल 115 नगरीय निकायों में बने अटल परिसरों का संभागवार है, जिसमें से दुर्ग संभाग में 31 अटल परिसर (सबसे अधिक रायपुर संभाग 25 अटल परिसर, बिलासपुर संभाग 18 अटल परिसर. बस्तर संभाग 22 अटल परिसर, सरगुजा संभाग 19 अटल परिसर दुर्ग संभाग में दुर्ग भिलाई, रिसाली, भिलाई चरौदा नगर निगम सहित कई नगर पालिकाएं और नगर पंचायतें शामिल हैं। नगर निगम रायपुर के जोन-10 द्वारा फुंडहर चौक में लगभग 50 लाख रुपए की लागत से स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की भव्य कांस्य प्रतिमा स्थापित की गई है। प्रतिमा का वजन एक टन से अधिक है, इसे पाटन-थनौद के प्रसिद्ध मूर्तिकार द्वारा तैयार किया गया है। परिसर का कुल क्षेत्रफल 500 वर्गफीट है।जोन-10 कमिश्नर विवेकानंद दुबे के अनुसार, अटल परिसर में सुंदर बगीचा, आकर्षक लाइटिंग और हरित वातावरण विकसित किया गया है। अटल परिसरों को नगरीय क्षेत्रों में सांस्कृतिक, सामाजिक और सार्वजनिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। सरकार का उद्देश्य इन परिसरों के माध्यम से नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं और प्रेरणा दायक वातावरण उपलब्ध कराना है।

एसआईआर, 27 लाख 34 हजार 800 मतदाताओं ने आवेदन नहीं जमा किया, दिया जाएगा नोटिस

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एसआईआर के बाद क्या कट जाएंगे 27 लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम? ये सवाल सभी के जहन में है. इसके बाद सियासत भी शरू हो गई है। मतदाता गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर में पहले चरण की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। छत्तीसगढ़ में 27 लाख से ज्यादा ऐसे मतदाता है, जिनके आवेदन नहीं जमा किए गए हैं। चर्चा चल रही है कि उनका नाम अब मतदाता सूची से काट दिया जाएगा, इसको लेकर सियासत भी खूब हो रही है। छत्तीसगढ़ में एसआईआर के तहत पहले चरण में आवेदन जमा करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। 18 दिसंबर तक मतदाताओं के आवेदन लिए गए. राज्य के कुल करीब 2 करोड़ 12 लाख मतदाताओं में से 27 लाख 34 हजार 800 मतदाताओं ने आवेदन नहीं जमा किया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार,ने बताया कि एसआईआर के तहत पहले चरण में फॉर्म एन्यूमरेशन का काम 18 दिसंबर तक पूरा कर लिया गया है। 27 लाख 34817 मतदाताओं के आवेदन नहीं जमा हुए हैं। यह वह मतदाता है जो या तो अपने पते पर नहीं मिले, डेथ हो गई है या फिर कहीं शिफ्ट कर गए हैं। उन्हें नोटिस नहीं जाएगा। पहले से राजनीतिक विवाद का कारण रहे एसआईआर पर छत्तीसगढ़ में एक बार फिर सियासत शुरू हो गई है।

आयुर्वेदिक कॉलेज रायपुर में पाँच दिवसीय नि:शुल्क मेगा हेल्थ कैंप का समापन

स्वास्थ्य शिविर सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की मिसाल है

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित जाँच, आधुनिक कैंसर स्क्रीनिंग, एमआरआई और सीटी स्कैन जैसी उन्नत सुविधाओं का आम नागरिकों तक पहुँचना वास्तव में सराहनीय है

रायपुर/ संवाददाता

आयुर्वेदिक कॉलेज रायपुर में आयोजित पाँच दिवसीय नि:शुल्क मेगा हेल्थ कैंप के समापन अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि यह आयोजन केवल एक स्वास्थ्य शिविर नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व की जीवंत मिसाल है। ऐसे शिविर समाज के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी को मजबूत करते हैं और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने का माध्यम बनते हैं। राज्यपाल ने कहा कि समाज के कमजोर वर्ग के लिए आज भी बेहतर इलाज एक बड़ी चुनौती है। ऐसे में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर गरीब, वंचित और आयुष्मान कार्ड से वंचित लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होते हैं। उन्होंने इस जनकल्याणकारी पहल के लिए शिविर के आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि स्वास्थ्य छत्तीसगढ़ का संकल्प केवल एक नारा नहीं है, बल्कि यह शिविर उस दिशा में उठाया गया ठोस कदम है। राज्यपाल श्री डेका ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इस शिविर में देश के विभिन्न हिस्सों से आए 42 से अधिक प्रतिष्ठित अस्पतालों के 55 से अधिक विशेषज्ञ डॉक्टरों ने नि:शुल्क सेवाएँ प्रदान कीं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित जाँच, आधुनिक कैंसर स्क्रीनिंग, एमआरआई और सीटी स्कैन जैसी उन्नत सुविधाओं का आम नागरिकों तक पहुँचना वास्तव में सराहनीय है। जयपुर फुट और कृत्रिम अंगों जैसी सेवाओं ने दिव्यांगजनों के जीवन में नई आशा और आत्मविश्वास का संचार किया है।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेद, एक्यूपंक्चर और अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का समावेश हमारे प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के सुंदर समन्वय को दर्शाता है। सभी चिकित्सा पद्धतियों किए जा रहे उपचार ने इस शिविर को और अधिक प्रभावी बना दिया है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को राष्ट्रीय विमर्श का विषय बनाया है और आयुष्मान कार्ड जैसी योजनाओं के माध्यम से गरीब वर्ग के लिए इलाज को सरल किया है। उन्होंने कहा कि बदलती जीवनशैली के कारण मधुमेह, ब्रेस्ट कैंसर जैसी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं, लेकिन लोग इनके प्रति जागरूक नहीं होते। ऐसे शिविरों के माध्यम से समय रहते बीमारी की पहचान होती है, जिससे उपचार संभव हो पाता है। राज्यपाल ने चिकित्सा क्षेत्र में मानवीय संवेदना की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि डॉक्टरों को भगवान का दर्जा दिया गया है। इसलिए जो चिकित्सा के क्षेत्र में आते हैं वे इसे व्यवसाय न बनाएं बल्कि सेवा का क्षेत्र माने। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व राज्यपाल श्री रमेश बैस ने की। उन्होंने कहा कि आज के समय में गरीब के लिए बीमारी का ईलाज कराना कठिन होता है वहां ऐसे शिविरों से उनकी बहुत मदद होती है। जिनके पास आयुष्मान कार्ड नहीं है उनके लिए भी यह शिविर लाभदायक है। प्रमुख आयोजक विधायक श्री राजेश मूणत ने शिविर के संबंध में विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इस पाँच दिवसीय हेल्थ कैंप में 13 हजार से अधिक मरीजों की पैथोलॉजी जाँच की गई। प्रथम चरण में बीपी और शुगर की जाँच की गई तथा आवश्यकता अनुसार मरीजों को आगे रेफर किया गया। मरीजों को सात दिन की नि:शुल्क दवाइयाँ दी गईं। आवश्यकता अनुसार एक्यूप्रेशर पद्धति से भी उपचार किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य शिविर में उल्लेखनीय योगदान देने वाले चिकित्सकों को राज्यपाल ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा, श्री सुनिल सोनी, महापौर श्रीमती मीनल चौबे तथा छत्तीसगढ़ मेडिकल कॉरपोरेशन के अध्यक्ष श्री दीपक मास्के सहित चिकित्सक, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में ठंड का कहर,कई इलाकों में तापमान 10 डिग्री...

- रायपुर और दूसरे इलाकों में कोहरे का असर, रात की ठंड का असर

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में सूरज निकलने के बाद भी घना कोहरा छंट नहीं रहा है। कई इलाकों में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। पूरा छत्तीसगढ़ राज्य ठंडी रातों और सुबह के कोहरे से प्रभावित है। फिलहाल, बिलासपुर और रायपुर को छोड़कर सभी इलाकों में तापमान दस डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। अंबिकापुर इलाका सबसे ज़्यादा प्रभावित है, और आने वाले दिनों में भी स्थिति ऐसी ही रहने की उम्मीद है। सुबह का कोहरा इतना घना है कि सूरज निकलने के बाद भी सरगुजा संभाग के कई इलाकों में विजिबिलिटी खराब रहती है। रायपुर और दूसरे इलाकों में कोहरे का असर दिख रहा है। रात की ठंड का भी काफी असर हो रहा है। फिलहाल, राज्य में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है, और इसके जल्द बढ़ने की संभावना कम है। पिछले चौबीस घंटों में अंबिकापुर इलाके में सबसे ज़्यादा ठंड थी, जबकि रायपुर में इसका असर सामान्य रहा। कोहरे का असर रायपुर और दूसरे इलाकों पर पड़ रहा है। रात की ठंड भी काफी महसूस हो रही है। फिलहाल, राज्य में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है, और जल्द ही इसके ज़्यादा बढ़ने की संभावना नहीं है। पिछले चौबीस घंटों में अंबिकापुर में सबसे ज़्यादा ठंड रही, जबकि रायपुर में इसका असर कम था। रविवार सुबह रायपुर शहर में कोहरा छाए रहने की उम्मीद है। अधिकतम तापमान लगभग 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 13 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने रविवार को गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरबा, रायगढ़, सूरजपुर, सरगुजा, जशपुर और बलरामपुर जिलों के कुछ इलाकों में घने कोहरे की भविष्यवाणी की है। इन इलाकों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है.

मवेशियों से भरा कंटेनर पलटा, अवैध गो-चालान में 50 से ज्यादा गायों की मौत

रायपुर। कोटपाड़ थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में 50 से अधिक गायों की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना घुमर गांव के पास उस समय हुई, जब देर रात मवेशियों से भरा एक कंटेनर अवैध रूप से आंध्रप्रदेश की ओर ले जाया जा रहा था। जानकारी के अनुसार, कंटेनर में क्षमता से कहीं अधिक मवेशी भरे हुए थे। भारी वजन और तेज रफ्तार के चलते चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कंटेनर सड़क किनारे पलट गया। हादसा इतना गंभीर था कि कंटेनर के अंदर फंसी अधिकांश गायों ने वहीं दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही घुमर गांव और आसपास के क्षेत्रों के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस और अग्निशमन विभाग को जानकारी दी गई।

बरसात में मार्ग अवरुद्ध होने की समस्या से मिलेगी स्थायी राहत

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले को दी ऐतिहासिक सौगात.....

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुशासन के दो वर्षों के भीतर छत्तीसगढ़ में आधारभूत ढांचे को सशक्त करने की दिशा में लगातार ऐतिहासिक निर्णय लिए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जशपुर जिले को बड़ी सौगात देते हुए बरसात के मौसम में मार्ग अवरुद्ध होने और गांवों का संपर्क टूटने की वर्षों पुरानी समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। प्रदेश सरकार ने जशपुर जिले में 22 उच्चस्तरीय पुलों के निर्माण के लिए 109 करोड़ 09 लाख रुपये तथा 215 छोटे पुल-पुलिया निर्माण के लिए 20 करोड़ 93 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। इन निर्माण कार्यों से जिले के ग्रामीण, वनांचल एवं दूरस्थ क्षेत्रों में वर्षभर निर्बाध आवागमन सुनिश्चित होगा और आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की स्वीकृति से जिले के प्रमुख मार्गों पर उच्चस्तरीय पुलों का निर्माण किया जाएगा, जिनमें केराकोना बैगाटोली, चलनी परसाडीपा, अलोरी मतलोगा, जशपुर सन्ना, जशपुर नगर मुख्य मार्ग, बगीचा आरा, बगीचा रेंगले, कलीबा टांगरबहार, बांसापतरा दुलदुला, गुलझरिया बम्हनी, कुनकुरी रनपुर, भालुमुंडा खजूरखाट, बोडाझापर चटकपुर, धौरासांड दाइजबहार, डुमरबहार तमता, घुघरी ढोढरअम्बा, कोतबा लवाकेरा सहित दुलदुला क्षेत्र के विभिन्न मार्ग शामिल हैं। इन पुलों के निर्माण से नदी-नालों पर निर्भर मार्गों में वर्षभर सुगम और सुरक्षित आवागमन संभव हो सकेगा। इसके साथ ही प्रदेश सरकार ने गांव-टोला और पारा को मुख्य मार्गों से जोड़ने के उद्देश्य से जिले में 215 छोटे पुल-पुलिया निर्माण को भी स्वीकृति दी है। इन कार्यों पर 20 करोड़ 93 लाख रुपये की लागत आएगी।

सिम कार्ड विक्री करने वालों के यहां एक साथ रेड, 25 गिरफ्तार

रायपुर/ संवाददाता

पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा द्वारा साइबर क्राईम पोर्टल में रिपोर्टेड म्यूल बैंक अकाउंट की जांच करने हेतु योजना तैयार कर रेंज साइबर थाना को निर्देशित किया गया था।निर्देशानुसार साइबर क्राईम पोर्टल में रिपोर्टेड म्यूल बैंक अकाउंट की जांच की गई। जांच कार्यवाही में पीड़ितों की पहचान कर उनसे घटना के संबंध में जानकारी एकत्र किया गया। साइबर क्राईम पोर्टल की रिपोर्ट, बैंक खाता में हुए ट्रांजैक्शन, एक ही व्यक्ति के अधिक बैंक अकाउंट, फर्जी सिम कार्ड एवं अन्य तकनीकी साक्ष्य के आधार पर बैंक अकाउंट खुलवाने तथा अकाउंट का शेयर ट्रेडिंग फर्जी ऐप, क्रिप्टो करेंसी में इन्वेस्ट, गूगल रिव्यू टास्क, टेलीग्राम टास्क, बैंक केवाईसी अपडेट, ऑनलाइन गेमिंग एवं गूगल सर्च जैसे साइबर अपराध में उपयोग करने वाले लोगों को चिन्हांकित किया गया।रेंज सायबर थाना तथा रायपुर के विभिन्न थानों के पुलिस अधि./कर्म. की अलग-अलग 8 टीमें बनाकर आरोपियों की पतासाजी करते हुये गिरफ्तार करने के साथ ही म्यूल बैक अकाउंट दूसरे के नाम से होना पाये जाने पर पूछताछ व तकनीकी साक्ष्य से आरोपियों से कनेक्ट होने पर एजेंटो/फर्जी सिम कार्ड विक्रेता सहित कुल 25 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।आरोपियों के खातों में फ्रॉड की लगभग 02 करोड़ रूपये की राशि होल्ड कराया गया है, जो विभिन्न राज्यों के पीड़ितों के हैं, जिनसे संपर्क कर उनका रकम वापस कराया जाएगा। विगत 11 माह में हुये फ्रॉड में फर्स्ट लेयर बैंक खाता में होल्ड 7 करोड़ रूपये की राशि को पीड़ितो को वापस कराने हेतु माननीय न्यायालय से आदेश कराया गया है जिसमें 4 करोड़ रूपये से अधिक की राशि पीड़ितों को वापस कराया जा चुका है। गिरफ्तार आरोपियों के विरूद्ध देश के विभिन्न राज्यों के विभिन्न थानों में 1236 रिपोर्ट दर्ज है। आरोपियों द्वारा किये गये 77.35 लाख रूपये के अपराध की जांच में आरोपियों द्वारा प्रयुक्त बैंक खाता में कुल 174.5 करोड़ रूपये ट्रांजेक्शन होने का खुलासा हुआ है। आरोपियों से पूछताछ में और भी बहुत से लोगों के नाम सामने आये हैं जो इन बैंक खातों का उपयोग ठगी करने के लिये करते थे। अग्रिम कार्यवाही में उन सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

वन विभाग को बड़ी सफलता अंतर्राज्यीय पेंगोलिन तस्कर गिरोह पकड़ा गया : एक जीवित पेंगोलिन बरामद

रायपुर। वन विभाग को वन्यजीव तस्करी के विरुद्ध बड़ी सफलता मिली है। अंतर्राज्यीय पेंगोलिन तस्कर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एक जीवित पेंगोलिन (सालखपरी) में बरामद किया गया है। यह कार्रवाई वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्री अरुण पांडेय, मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व रायपुर श्रीमती सतोविशा समाजदार तथा उपनिदेशक उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व गरियाबंद श्री वरुण जैन के मार्गदर्शन में की गई। वाइल्ड लाइफ जस्टिस कमीशन इंडिया से प्राप्त सूचना के आधार पर उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व की एंटी-पोचिंग टीम और ओडिशा के नवरंगपुर वनमंडल की संयुक्त टीम ने यह अभियान चलाया। विगत 7 दिसंबर को उमरकोट के समीप ढोर्रा और सिमलीगोदरा के बीच घेराबंदी कर दो संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक जीवित पेंगोलिन बरामद किया गया, जिसकी लंबाई लगभग 40 इंच और वजन 9 किलोग्राम है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गोपाल (42 वर्ष, निवासी सिमलीगोदरा, ओडिशा) और मनोज (30 वर्ष, निवासी मलकीगुड़ा, ओडिशा) के रूप में हुई है।

पीएम रोजगार सृजन कार्यक्रम से जनजाति वर्ग के युवा उपेश कुमार सिदार बने लखपति

- फूड प्रोसेसिंग उद्योग स्थापित कर हर माह कमा रहे लगभग एक लाख रुपए
- दृढ़ संकल्प और सरकारी योजना से साकार हुआ स्वरोजगार का सपना

रायपुर/ संवाददाता

उचित मार्गदर्शन एवं संसाधनों के अभाव में प्राय: युवा वर्ग व्यवसाय की ओर अग्रसर नहीं हो पाता। कई बार निराशा और हताशा भी उन्हें आगे बढ़ने से रोक देती है, लेकिन कुछ युवा ऐसे भी होते हैं जो कठिन परिस्थितियों में हार नहीं मानते और अपने दृढ़ संकल्प से सफलता की नई मिसाल कायम करते हैं। ऐसा ही प्रेरणादायी उदाहरण हैं जिला सक्ती अंतर्गत विकासखंड सक्ती के ग्राम जुनवानी निवासी श्री उपेश कुमार सिदार। एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे श्री उपेश कुमार सिदार के परिवार में माता-पिता एवं दो छोटे भाई सहित कुल पाँच सदस्य हैं। उनके पिता एसईसीएल से सेवानिवृत्त हैं, जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद बच्चों की शिक्षा में कोई कमी नहीं आने दी। श्री सिदार ने वाणिज्य विषय में स्नातकोत्तर तक की शिक्षा प्राप्त की। शिक्षा के दौरान ही उनके मन में स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने का विचार उत्पन्न हुआ, किंतु आर्थिक संसाधनों की कमी उनके लिए एक बड़ी चुनौती बनी। इसी दौरान उन्हें जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, सक्ती के माध्यम से संचालित प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) योजना की जानकारी मिली, जिसमें अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवाओं के स्वरोजगार हेतु विशेष प्रावधान किए गए हैं। योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर उन्होंने जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मार्गदर्शन में राइस पफ्ड (फूड प्रोसेसिंग उद्योग) स्थापित करने का परियोजना प्रस्ताव तैयार किया। श्री सिदार द्वारा प्रस्तुत परियोजना की कुल लागत 30 लाख 42 हजार 105 रुपए थी, जिसे बैंक ऑफ बड़ौदा, सक्ती में प्रस्तुत किया गया। बैंक द्वारा परियोजना का परीक्षण कर 28 लाख 90 हजार रुपए का ऋण स्वीकृत एवं वितरित किया गया। साथ ही पीएमईजीपी योजना अंतर्गत 10 लाख 64 हजार 737 रुपए का अनुदान भी प्रदान किया गया। निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता के चलते श्री सिदार का फूड प्रोसेसिंग उद्योग निरंतर प्रगति कर रहा है। वर्तमान में उन्होंने तहसील सक्ती अंतर्गत ग्राम डड़ई में अपना उद्योग सफलतापूर्वक स्थापित कर लिया है, जिससे 09 अन्य स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध हो रहा है। आज श्री उपेश कुमार सिदार को प्रतिमाह लगभग एक लाख रुपए की आय हो रही है।

प्रत्येक हितग्राहियों को प्रतिमाह 13 हजार का आमदनी

बस्तर संभाग में महिलाएं डेयरी व्यवसाय से बन रही हैं आत्मनिर्भर-24 महिलाओं को 36 दुधारू पशु वितरित

- कोण्डागांव और कांकेर जिले में पायलट परियोजना संचालित
- दुग्ध उत्पादकों को मिल अनुदान और बैंक ऋण

रायपुर/ संवाददाता

रोजगार और स्वरोजगार के माध्यम से लोगों की आमदनी बढ़ाने के लिए बस्तर संभाग में डेयरी व्यवसाय को बढ़ावा दिया जा रहा है। एनडीडीबी के माध्यम से कांकेर और कोण्डागांव जिले में पायलट प्रोजेक्ट के तहत संचालित की जा रही। इस योजना में जनजातीय महिलाओं को डेयरी व्यवसाय से जोड़ा जा रहा है। गौरतलब है कि इस योजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय 01 जून 2025 को कोण्डागांव जिले के भोंगापाल गांव से इस योजना शुभारंभ किया था। बस्तर संभाग के कोण्डागांव एवं कांकेर जिले के 125 हितग्राहियों को ऋण एवं अनुदान पर दुधारू पशु प्रदाय के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 47 महिलाओं के आवेदन पत्र बैंक से ऋण स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसमें से 24 महिलाओं को 36 दुधारू पशु वितरित किया गया है। हितग्राहियों को अच्छे नस्ल की दुधारू गाय प्रदान करने हेतु एनडीडीबी डेयरी सर्विसेस द्वारा साहीवाल नस्ल की गाय (8-10 लीटर दूध प्रतिदिन उत्पादन क्षमता) राजस्थान एवं पंजाब क्षेत्र से चिन्हित कर अनुसूचित जनजाति महिलाओं को वितरण किया जा रहा है। दुग्ध महासंघ द्वारा वर्तमान में बस्तर संभाग अंतर्गत 95 कार्यशील दुग्ध समितियों के 4006 दुग्ध प्रदायकों के माध्यम से 15060 लीटर दूध प्रतिदिन संकलित किया जाकर, लगभग 8000 लीटर दूध प्रतिदिन कांकेर, कोण्डागांव, बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर जिलों में विपणन किया जा रहा है। बस्तर संभाग में सहकारिता को बढ़ावा देने के लिए आगामी 5 वर्षों में 400 नयें ग्रामों को दुग्ध समिति के माध्यम से जोड़ा जायेगा। जिसमें लगभग 9000 दूध प्रदायक जुड़ेगें एवं 48 हजार लीटर दूध संकलन किया जायेगा।

संपादकीय

आतंक का दायरा !

ऑस्ट्रेलिया में सिडनी के बोंडी समुद्र तट पर आतंकी हमले से फिर यही साबित हुआ है कि वैश्विक स्तर पर तमाम आतंकरोधी कवायदों के बावजूद अब भी इस समस्या से पार पाना एक बड़ी चुनौती है।हथियारों से लैस पिता और पुत्र ने बोंडी समुद्र तट के पास हनुका नामक कार्यक्रम के लिए जमा हुए यहूदी समुदाय के लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें पंद्रह लोग मारे गए और कई घायल हो गए। पुलिस के वहां पहुंचने पर हुई मुठभेड़ में एक हमलावर मारा गया और दूसरा घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया।गनीमत यह रही कि वहां मौजूद एक अन्य साधारण व्यक्ति ने अपनी जान जोखिम में डाल कर एक बंदूकधारी पर हमला कर दिया और उसकी बंदूक छीन ली। इस तरह उसने कई लोगों की जान बचा ली। माना जा रहा है कि इस आतंकी घटना के पीछे हमलावरों के भीतर यहूदी विरोध की भावना थी। पिछले कुछ समय से आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी भावनाओं के जोर पकड़ने को लेकर चिंताएं जताई जा रही थीं।गौरतलब है कि विश्व भर में आतंकी वारदात की प्रकृति में बदलाव आया है और आतंकियों के भीतर आम नागरिकों को निशाना बनाने की प्रवृत्ति बढ़ी है। इसके बावजूद आस्ट्रेलिया की सरकार ने एक खास मौके पर ज्यादा लोगों के जमावड़े वाली जगह पर एहतियाती सुरक्षा इंतजाम पुख्ता रखने की जरूरत नहीं समझी।यह सवाल इसलिए भी गंभीर है कि हाल के दिनों में आस्ट्रेलिया में कई स्तर पर नस्लीय आग्रहों के आधार पर हमले और विरोध के मामले सामने आते रहे हैं। यों भी, अपने नागरिकों की सुरक्षा के मद्देनजर हर समय चाक-चौबंद इंतजाम रखना सरकार का दायित्व है, लेकिन सरेआम अंधाधुंध गोलीबारी की ताजा घटना से साफ है कि सरकार इसमें नाकाम हुई।हालांकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस हमले की निंदा हुई है और आस्ट्रेलिया की सरकार से लेकर मुस्लिम-अरब देशों की ओर से भी आतंकवाद और हिंसा के सभी रूपों को खारिज किया गया है। मगर यह भी सच है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना और विरोध के बावजूद किसी समुदाय से नफरत की भावना में डूबे लोगों को रोक पाना एक मुश्किल चुनौती है।गौरतलब है कि इससे पहले इजराइल में लगभग इसी तरह के एक जमावड़े में हमास के आतंकवादियों ने यहूदी समुदाय के लोगों पर हमला किया था और उसमें बारह सौ से ज्यादा की मौत हो गई थी। उसका अंजाम आज भी हमास और इजराइल के युद्ध और उससे उपजी त्रासदी के रूप में दुनिया के सामने है। इसी प्रकृति के एक अन्य हमले में भारत में कश्मीर के पहलगाम में हमलावरों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर कई लोगों को मार डाला था।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का खतरनाक स्तर से आमलोग चिंतित

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर लगातार खतरनाक स्तर पर पहुंच रहा है। ऐसे में एक कठिन सवाल पैदा हो गया है कि जब सांस लेने में ही स्ट्रगल करना पड़ रहा है तो लोग कब तक दिल्ली को अपना घर कहते रह सकते हैं? दिल्ली-एनसीआर में लगातार बढ़ते प्रदूषण ने सुप्रीम कोर्ट से लेकर आम आदमी तक की चिंता बढ़ा दी है। प्रदूषण, सुरक्षा और बढ़ती लागत पर चर्चाएं कोई नई बात नहीं हैं, लेकिन हाल ही में रेडिट पर एक पोस्ट ने इन मुद्दों को इस तरह से सामने लाया है कि कई लोगों के लिए इसे नजरअंदाज करना मुश्किल हो गया है। 'दिल्ली-एनसीआर बर्बाद हो चुका है, अब इसका बचाव करने का कोई मतलब नहीं' शीर्षक वाली यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। इसमें किसी तरह के दावे करने के बजाय इस क्षेत्र में जीवन का एक व्यक्तिगत आकलन साझा किया गया है, जिसकी तुलना अन्य भारतीय शहरों के अनुभवों से की गई है।

(दिनेश मिश्र)

प्रदूषण से मौतों की जिम्मेदारी लेने वाला कोई नहीं

दिल्ली-एनसीआर के कुछ हिस्सों में 700 से अधिक एक्यूआई स्तर का जिक्र करते हुए रेडिट यूजर ने कहा-असली संकट यह है कि स्थिति कितनी सामान्य हो गई है। उन्होंने लिखा-नेता एयर प्यूरीफायर से सुसज्जित केबिनों में बैठकर कहते हैं-'इस साल प्रदूषण तुलनात्मक रूप से कम है।' जल्द ही, वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या ऐसी घटनाओं से होने वाली मौतों की संख्या से कहीं अधिक होगी, लेकिन कोई भी राजनेता जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है।

10 साल से हो रहे ऐसे हालात, छोड़ दें दिल्ली

नवभारत टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में दिल्ली एम्स के रेस्पिरेट्री विभाग ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि प्रदूषित हवा सीवियर जोन में पहुंच गई है। डॉक्टर अनंत ने कहा कि 10 साल से ऐसे ही हालात हैं। हर बार बात होती है, लेकिन केवल सर्दियों के तीन महीने इस पर चर्चा होती है, फिर सब चुप हो जाते हैं। वहीं,एम्स के एक पूर्व डॉक्टर गोपी चंद खिलनानी ने मीडिया को दिए गए इंटरव्यू में सलाह दी है कि जो लोग दिसंबर के अंत या बीच में दिल्ली छोड़ किसी अन्य शहर जा सकते हैं तो वह कुछ समय के लिए दिल्ली छोड़ दें।

हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता है, ब्रेन स्ट्रोक की आशंका

दिल्ली डॉक्टर ने बताया कि प्रदूषण के बहुत ही छोटे व महीन कण (पीएम2.5) नाक के जरिए शरीर में एंट्री करते हैं और ब्लड तक पहुंच जाता है और यहां से पूरे शरीर में फैलता है। इससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता है, ब्लड प्रेशर बढ़ता है, स्ट्रोक (ब्रेन अटैक) की आशंका बढ़ती है, नसें मोटी और ब्लॉक होने लगती है और कैंसर के जोखिम में भी इजाफा होता है। वहीं, कई विदेशी संस्थाओं ने प्रदूषण की वजह से दिल्ली में लाइफ कम होने यानी औसत उम्र में कमी का दावा किया है। इस सवाल पर एम्स के डॉक्टरों ने कहा कि ये सभी 'मॉडलिंग स्टडीज' पर आधारित अनुमान है। सीधे-सीधे प्रमाणित डेटा नहीं है। लेकिन यह तय है कि लंबे समय तक प्रदूषण में रहने से बीमारियां बढ़ेंगी और जीवन पर भी असर होगा। वहीं, एम्स के एक अरेडिट यूजर ने बताया कि उसका जन्म और पालन-पोषण नोएडा में हुआ है और वो बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे सहित कई शहरों में

रह चुके हैं और काम कर चुके हैं। हाल ही में पुणे में एक सप्ताह बिताने के बाद उन्होंने कहा कि रोज़मर्रा की जिंदगी में अंतर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने तर्क दिया कि महंगे रियल एस्टेट के अलावा, एनसीआर दक्षिणी और पश्चिमी शहरों की तुलना में स्पष्ट रूप से अलग नहीं दिखता। उन्होंने कहा-एनसीआर में खाना बहुत महंगा है। दक्षिण में, आप 100-150 रुपये में आसानी से अच्छा खाना खा सकते हैं, यहां तक कि नमस्ते जैसे कैफे में भी। एक अच्छी बिरयानी 200 रुपये से ज्यादा की नहीं होगी। यहां, 200 रुपये में आपको ज्यादा से ज्यादा अस्वच्छ मुरादाबादी स्टाइल की बिरयानी ही मिलेगी।

रात में निकलना दूभर, प्रॉपर्टी भी आसमान पर

यूजर के अनुसार, आईटी क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवरों के लिए बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे शहर बेहतर हैं, जहां नौकरी के अवसर और वेतन बेहतर हैं। हालांकि दिल्ली एनसीआर में अभी भी ऑफिस और कॉर्पोरेट के मामले में आगे हैं। मगर, रात में सुरक्षा और आराम की स्थिति ठीक नहीं है। उन्होंने कहा-एनसीआर में रात 10-11 बजे के बाद बाहर निकलने से पहले दो बार सोचना पड़ता है। शहर एकदम शांत हो जाता है और खाली सड़कें सुरक्षित महसूस नहीं होतीं। गुरुग्राम जैसी जगहों पर आपको 1-1.5 करोड़ रुपये से कम में कुछ भी अच्छा नहीं मिलेगा। पुणे (खराड़ी) में, आप इसी बजट में एक अच्छा 2बीएचके फ्लैट पा सकते हैं। बेंगलुरु में आपको लगभग 90 लाख रुपये में ऐसे ही विकल्प मिल जाएंगे।

दिल्ली में कुछ घंटे रुकते ही सांस लेने में तकलीफ

वहीं, फेसबुक पर यह दावा किया गया है कि लंदन में रहने वाले एक भारतीय तकनीशियन की चौंकाने वाली चेतावनी ने दिल्ली की खतरनाक वायु गुणवत्ता पर बहस को फिर से हवा दे दी है। कुणाल कुशवाहा कुछ समय के लिए दिल्ली आए थे। उन्होंने बताया कि विदेश जाने से पहले कई वर्षों तक दिल्ली में रहने के बावजूद कुछ ही घंटों में यहां मुझे सांस लेने में तकलीफ होने लगी। उन्होंने लोगों से अपनी सेहत की खातिर दिल्ली छोड़ने की अपील कर डाली। उन्होंने कहा-दिल्ली छोड़ दो...चाहे इसके लिए कर्ज ही क्यों न लेना पड़े। सोशल मीडिया एक्स पर उनकी इस पोस्ट ने एक गरमागरम बहस छेड़ दी।

अब प्रदूषण मौसमी टेंशन नहीं, पुनर्विचार की जरूरत

कुछ लोगों ने सहमति जताते हुए कहा कि जहरीली हवा धीरे-धीरे फेफड़ों, रोग प्रतिरोधक क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही है। वहीं, अन्य लोगों ने तर्क दिया कि शहर छोड़ना हर किसी के लिए संभव नहीं है। कई लोगों ने तत्काल सरकारी कार्रवाई की मांग करते हुए दिल्ली के प्रदूषण को एक दीर्घकालिक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल बताया। यह लोगों को अपने भविष्य, अपनी सुरक्षा और यहां तक कि राजधानी के निवासी के रूप में अपनी पहचान पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-अमीरों का किया गरीब को भुगतना पड़ता है

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कई आदेश और नियम बनाए हैं, लेकिन कोर्ट का मानना है कि अमीर लोग अपनी जीवनशैली नहीं बदल रहे हैं, इसलिए ये उपाय कारगर नहीं हो पा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और विपुल एम. पंचोली की बेंच ने यह बात कही। मुख्य न्यायाधीश ने आगे कहा-लोगों को समय की जरूरत को समझना होगा और अपनी जीवनशैली बदलनी होगी। अमीर वर्ग नियमों का पालन नहीं करता और बड़ी-बड़ी डीजल पीने वाली कारें, जनरेटर और अन्य प्रदूषण फैलाने वाले उपकरण इस्तेमाल करता रहता है। गाड़ियों से होने वाला प्रदूषण राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के इलाकों को चोक कर रहा है। गरीब और मेहनतकश वर्ग ही प्रदूषण के सबसे ज्यादा संपर्क में आता है और सबसे ज्यादा पीड़ित होता है।

प्रदूषण की सबसे बड़ी वजहें वाहन, निर्माण और इंडस्ट्री

हाल ही में कोर्ट में पेश किए गए एक हलफनामे में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने बताया था कि दिल्ली-एनसीआर के वायु प्रदूषण में ट्रांसपोर्ट सेक्टर का योगदान 41 प्रतिशत है। वहीं, धूल और निर्माण गतिविधियों से 21प्रतिशत, उद्योगों से 19प्रतिशत, बिजली संयंत्रों से 5प्रतिशत, घरों से 3प्रतिशत और अन्य स्रोतों से 11प्रतिशत प्रदूषण होता है। जबकि पराली जलाने की समस्या साल के एक छोटे से समय के लिए ही होती है।

प्रजातंत्र की कमियों को दूर किया जाए

(मधु दंडवते)

मैं प्रस्ताव करता हूं कि 'यह सभा सिफारिश करती है कि निर्वाचन सुधारों को लागू करने के लिए तुरंत कार्यवाही की जाए, जिससे वर्तमान निर्वाचन प्रक्रिया में सुधार लाया जा सके और उन्हें त्रुटियों, कमियों से मुक्त किया जा सके।'

इस प्रस्ताव का हमारे देश में संसदीय प्रजातंत्र के कार्यकरण की दृष्टि से बहुत महत्व है। यदि देश में संसदीय प्रजातंत्र के कार्यकरण का पुनरीक्षण किया जाए, तो आपको ज्ञात होगा कि तीन तत्व निर्वाचन प्रक्रिया के विकास तथा संसदीय प्रजातंत्र के कार्यकरण की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। प्रथम, हमारी संसद निष्पक्ष और स्वतंत्र निर्वाचन द्वारा निर्वाचित निडर संसद होनी चाहिए। हमारी एक स्वतंत्र न्यायपालिका होनी चाहिए, जिसको निर्वाचन संबंधी अपीलें की जाएं और एक स्वतंत्र निर्वाचन आयोग होना चाहिए, जिसे किसी का भय न हो। जो लोग प्रजातंत्र में विश्वास करते हैं, वे इन तीन मूलभूत सिद्धांतों को स्वीकार करेंगे, लेकिन जो प्रजातंत्र को समाप्त करना चाहते हैं, वे बंधुआ मतदाताओं द्वारा निर्वाचित बंधुआ संसद लाना पसंद करेंगे। वे एक आज्ञाकारी न्यायपालिका लाना पसंद करेंगे, जिस पर दबाव डाला जा सके और आबद्ध निर्वाचन आयोग लाना पसंद करेंगे, जिसको फुसलाया जा सके और ब्लैकमेल किया जा सके। प्रजातंत्र में विश्वास रखने वालों तथा सत्तावाद में विश्वास रखने वालों, जिनका लोकतांत्रिक जीवन से कोई सही संबंध नहीं है, दोनों के बीच यही अंतर है।

जहां तक देश में निर्वाचन सुधारों का संबंध है, मैं नहीं समझता कि किसी ऐसी समिति या आयोग की नियुक्ति की आवश्यकता है, जो समस्या की गहराई में जाए और पता लगाए कि हमारी प्रणाली की वास्तविक कमियां क्या हैं, हमारी निर्वाचन प्रक्रिया की क्या असफलताएं हैं और वास्तविक आवश्यकताएं क्या हैं। हमारे सौभाग्य से पिछले कई सालों में कई समितियों तथा आयोगों ने समस्या का गहन अध्ययन किया है। जहां तक धन शक्ति का संबंध है, यह सब स्वीकार करते हैं कि यह सबसे गंभीर खतरा पैदा करती है। स्वयं मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कई सेमिनारों में भाग लेते समय स्पष्ट रूप से कहा है कि धन शक्ति स्वतंत्र तथा न्यायोचित चुनाव के लिए सबसे बड़ा खतरा है और इसलिए उन्होंने चुनाव के लिए राज्य निधि बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने यह भी हिसाब लगाया है कि उनके सुझाव के कारण कितनी राशि खर्च होगी और यह सुझाव दिया कि आगामी पांच वर्षों के लिए, विभिन्न स्तरों पर खर्च करने के लिए 100 करोड़ रुपये की राज्य निधि स्थापित की जाए। कुछ प्रचार के लिए, कुछ मान्यता प्राप्त दलों को राज्य सहायता के रूप में देने के लिए और कुछ निर्वाचन पैटर्न का मूल ढांचा तैयार करने के लिए खर्च की जाए।माध्यम का दुरुपयोग एक बड़ी बात है। माध्यम का उपयोग उचित ढंग से किया जा सकता है और इसका दुरुपयोग भी किया जा सकता है। लोकतांत्रिक देशों में लोक संचार माध्यम की सुविधा सभी राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराई जाती है। वे अपने दृष्टिकोण का प्रचार कर सकते हैं। इसमें कोई भी कठिनाई नहीं है। कई बार हम देखते हैं कि संचार माध्यम का दुरुपयोग किया गया है। कुछ वर्गों के विरुद्ध इसका उपयोग किया जाता है और इसका उपयोग कुछ वर्षों के लाभ के लिए किया जाता है। इसलिए यह सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाने होंगे कि उचित रूप से इसका उपयोग किया जाए...।

एक अन्य पहलू का उल्लेख करना चाहूंगा। प्रायः शिकायत सरकार के आचार के संबंध में होती है, जिसका चुनाव की घोषणा के समय से पालन किया जाता है। तारकुंडे समिति द्वारा एक स्वस्थ परंपरा की सिफारिश की गई है। उस समिति ने सुझाव दिया है कि चुनावों की घोषणा होने के समय से केंद्र अथवा राज्यों में संबंधित सरकार को कामचलाऊ सरकार के रूप में कार्य करना चाहिए और उसे समय के बाद उन सरकारों की नई नीतियां लागू नहीं करनी चाहिए और कोई आर्थिक लाभ नहीं पहुंचाना चाहिए और वेतनों में कोई वृद्धि नहीं करनी चाहिए।...

यदि हम अपनी चुनाव प्रणाली में सुधार करते हैं, मूल परिवर्तन करते है, उसमें सुधार लाते हैं और उन्हें प्रभावशाली ढंग से कार्यान्वित करते हैं, तो इस दुनिया को बता सकेंगे कि महात्मा गांधी के इस देश में गोली नहीं, बल्कि मतदान की जीत होती है। उस विश्वास के साथ मैं इस प्रस्ताव को आपकी स्वीकृति के लिए प्रस्तुत करता हूं। (लेखक तत्कालीन सांसद -(लोकसभा में दिए गए उद्बोधन के अंश)है।

चेहरों से ज्यादा जेबें साफ...चीन की हालत पतली, क्या बता रहा है ये 'अकाल', भारत कैसे अलग?

(अमित शुक्ला)

चीन में विदेशी लग्जरी कारों की मांग घटने लगी है। इसकी वजह यह है कि चीनी ग्राहक अब सस्ती चीनी ब्रांड की कारों को पसंद कर रहे हैं। ये कारें अक्सर भारी छूट पर मिलती हैं। इनमें ग्राहकों की पसंद के हिसाब से शानदार इलेक्ट्रॉनिक्स और आरामदायक सुविधाएं होती हैं। यह यूरोपीय कार निर्माताओं जैसे पोर्श, एस्टन मार्टिन, मर्सिडीज-बेंज और बीएमडब्ल्यू के लिए बुरी खबर है। उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े ऑटो बाजार के ऊपरी पायदान पर लंबे समय से अपना दबदबा बनाए रखा था। चीन की अर्थव्यवस्था में मंदी का असर लग्जरी बाजार पर पड़ रहा है। प्रॉपर्टी बाजार में लंबे समय से चल रही गिरावट के कारण कई ग्राहक बड़ी खरीदारी करने से कतराने लगे हैं। पॉल गोंग, जो यूबीएस में चीन ऑटोमोटिव इंडस्ट्री रिसर्च के प्रमुख हैं, बताते हैं कि अमीर लोग भी अब अपनी दौलत का दिखावा करने से बच रहे हैं। कई कार खरीदार चीनी सरकार की ओर से इलेक्ट्रिक और प्लग-इन हाइब्रिड वाहनों की खरीद पर दी जा रही 20,000 युआन (2,830) की ट्रेड-इन सब्सिडी से प्रभावित हुए हैं। गोंग का कहना है कि लोग सस्ती, एंट्री-लेवल कारें खरीद रहे हैं जहां छूट का ज्यादा फायदा होता है। ऐसी कारें ज्यादातर चीन में ही बनती हैं।

धीमी इकोनॉमिक ग्रोथ कमजोर डिमांड के पीछे कारण

एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स में चीन ऑटो के लिए कॉर्पोरेट रेटिंग्स की निदेशक क्लेयर युआन कहती हैं, धीमी आर्थिक ग्रोथ प्रीमियम कारों की कमजोर मांग के पीछे एक मुख्य कारण है। यह सेगमेंट आमतौर पर मर्सिडीज-बेंज और बीएमडब्ल्यू जैसे ब्रांडों को कवर करता है। एस एंड पी के अनुसार, चीन में प्रीमियम कार बिक्री का बाजार हिस्सा 2017 और 2023 के बीच दोगुने से अधिक होकर कुल बिक्री का लगभग 15त्न हो गया था। इसकी कीमत आमतौर पर 3,00,000 युआन (42,400) से ऊपर होती है। हालांकि, अब यह ट्रेंड उलट रहा है। एस एंड पी के अनुसार, प्रीमियम कारों की बिक्री का हिस्सा 2024 में घटकर

14 प्रतिशत और 2025 के पहले नौ महीनों में 13त्न हो गया।

चीनी ऑटोमोबाइल निर्माता बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं। लग्जरी ऑटो बिक्री धीमी होने के बावजूद इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता बीवाईडी सहित चीनी निर्माता, तकनीकी इनोवेशन में कई पश्चिमी ब्रांडों की तुलना में अधिक आक्रामक हो गए हैं। वे अक्सर सस्ते दामों पर नए इलेक्ट्रिक वाहन और हाइब्रिड, जिनमें प्रीमियम वाहन भी शामिल हैं, लॉन्च कर रहे हैं।

ज्यादा प्रतिस्पर्धी हैं चीनी उत्पाद

विश्लेषकों का कहना है कि चीनी कार निर्माताओं के उत्पाद प्रीमियम सेगमेंट में भी अधिक प्रतिस्पर्धी और किफायती हैं। यही कारण है कि ये विदेशी ब्रांड धीरे-धीरे अपनी पकड़ खो रहे हैं।

चाइना एसोसिएशन ऑफ ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के अनुसार, इस साल के पहले 11 महीनों में यात्री कार बिक्री में चीनी ब्रांडों की हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत तक पहुंच गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि जर्मन ब्रांडों की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत, जापानी ब्रांडों की लगभग 10 प्रतिशत और अमेरिकी ब्रांडों की लगभग 6 प्रतिशत रही। बीवाईडी ने हाल के वर्षों में फॉक्सवैगन को पीछे छोड़ते हुए चीन में सबसे बड़ी कार विक्रेता का खिताब हासिल कर लिया है।

चाइना पैसेंजर कार एसोसिएशन के अनुसार, बीवाईडी इस साल चीन में नए ऊर्जा वाहनों (जिनमें इलेक्ट्रिक वाहन और हाइब्रिड शामिल हैं) के लिए सबसे ज्यादा बिकने वाला कार ब्रांड है। बीवाईडी ने अपने इलेक्ट्रिक और प्लग-इन हाइब्रिड मॉडल की कीमतों में 34 प्रतिशत तक की कटौती की है। इससे गीलेई और लीपमोटर जैसे प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों पर दबाव पड़ा है।

विदेशी कंपनियों की घट रही है बिक्री

मर्सिडीज-बेंज की ताजा कमाई रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई-सितंबर तिमाही में चीन में उसकी बिक्री 27 प्रतिशत गिर गई। 2025 के पहले नौ महीनों में चीन में बीएमडब्ल्यू और उसकी सहायक ब्रांड मिनी की बिक्री में साल-दर-साल 11.2 प्रतिशत की गिरावट आई। पोर्श और एस्टन मार्टिन ने भी चीन में कमजोर मांग के कारण दबाव का जिक्र किया।

इतालवी लग्जरी कार निर्माता फेरारी ने जनवरी-सितंबर में मुख्य भूमि चीन, हांगकांग और ताइवान में कार शिपमेंट में साल-दर-साल 13 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। यह एकमात्र क्षेत्र था जहां बिक्री में गिरावट आई। मर्सिडीज-बेंज के सीईओ ओला कैलेनियस ने अक्टूबर के अंत में निवेशकों से कहा था, चीन में अत्यधिक प्रतिस्पर्धा जल्द ही खत्म होने वाली नहीं है। कार निर्माता ने कहा कि चीन में प्रीमियम और लग्जरी सेगमेंट में बाजार की स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है।

पुरानी लग्जरी कारों की कीमतों में भी गिरावट

पुरानी लग्जरी कारों की कीमतें भी गिर रही हैं। लग्जरी वाहनों में दिलचस्पी में आई कमी डीलरों के लिए मुश्किल खड़ी कर रही है। बीजिंग में एक पोर्श सेंटर में सेकंड-हैंड कारों के प्रभारी सेल्सपर्सन ली यी ने बताया कि लगभग 20,000 किलोमीटर चली 2024 मॉडल की पनामेरा 2.9टी की कीमत 950,000 युआन (134,300 या 1.2 करोड़ रुपये) थी। पिछले मालिक ने इसे लगभग 14 लाख युआन (198,454) में खरीदा था। ली ने कहा, यह मुख्य रूप से सुस्त आर्थिक स्थिति के कारण है। उन्होंने आगे कहा, यह सिर्फ पोर्श नहीं है। बेंज, बीएमडब्ल्यू, बेंटले और रोल्स-रॉयस सभी एक ही स्थिति का सामना कर रही हैं। पोर्श और बेंटले फॉक्सवैगन समूह का हिस्सा हैं।

बीजिंग के एक यूज्ड-कार बाजार में चार अन्य कार डीलरशिप प्रतिनिधियों ने पिछले एक साल में प्रीमियम कारों की कीमतों में काफी गिरावट के साथ इसी तरह की निराशाजनक स्थिति का जिक्र किया।

सीएएएम ने बताया कि नवंबर में चीन का मासिक ऑटो उत्पादन पहली बार 35 लाख यूनिट के रिकॉर्ड को पार कर गया। लेकिन, कुछ क्षेत्रों में ट्रेड-इन सब्सिडी रोके जाने और मांग में कमी के कारण घरेलू ऑटो बिक्री में साल-दर-साल 4 प्रतिशत की गिरावट आई। एक यूज्ड कार सेल्सपर्सन ने मजाक में कहा, आजकल किसके पास पैसे हैं लोगों की जेबें उनके चेहरों से ज्यादा साफ हैं। सेल्सपर्सन ने बताया कि कीमतें दो साल से गिर रही हैं और वह बड़ी छूट दे रही हैं। उन्होंने कहा, अब वे खर्च करने से पहले अच्छी तरह सोचते हैं।

भारत की स्थिति चीन से उलट

चीन के उलट भारत का लग्जरी कार बाजार इस समय तेजी के मजबूत दौर से गुजर रहा है। जहां चीन में ग्राहक स्थानीय और सस्ती ईवी का रुख कर रहे हैं और सार्वजनिक रूप से संपत्ति दिखाने से बच रहे हैं। वहीं, भारत में लग्जरी कारों की बिक्री में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। भारतीय उपभोक्ता, खासकर पेशेवर, उद्यमी और एनआरआई लग्जरी प्रॉपर्टी और कारों को न सिर्फ लाइफस्टाइल बल्कि दीर्घकालिक निवेश के रूप में भी देख रहे हैं। भारत में भले ही आयातित कारों पर भारी टैक्स लगता है, जिससे वे महंगी होती हैं। लेकिन, इसके बावजूद बढ़ते एस्पिरेशन और क्रय शक्ति के कारण महंगी गाड़ियों की मांग मजबूत बनी हुई है। भारत में ईवी को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी योजनाएं हैं। लेकिन, चीन की तरह यह अभी तक यूरोपीय लग्जरी कार निर्माताओं के लिए बड़ा झटका साबित नहीं हुई है। वास्तव में भारत में प्रीमियम हाउसिंग मार्केट और लग्जरी सेगमेंट समग्र रूप से मजबूत हो रहे हैं।

4 घंटे तक मुख्य मार्ग पर किया चक्काजाम

धान खरीदी में अव्यवस्था : केंवटी में किसानों का फूटा गुस्सा

भानुप्रतापपुर। धान खरीदी केंद्र केंवटी में व्याप्त अव्यवस्थाओं और प्रशासन की नीतियों के खिलाफ किसानों का आक्रोश सड़क पर उतर आया। टोकन वितरण में देरी और खरीदी की लिमिट न बढ़ाए जाने से नाराज सैकड़ों किसानों ने भानुप्रतापपुर-अंतागढ़ मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चले इस प्रदर्शन के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। किसानों का आरोप है कि धान खरीदी शुरू हुए कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन केंद्र में कुप्रबंधन का बोलबाला है। धान बेचने की निर्धारित सीमा में बढ़ोतरी की जाए।टोकन वितरण की प्रक्रिया में तेजी और पारदर्शिता लाई जाए। मंडी में व्याप्त अन्य अव्यवस्थाओं को दूर किया जाए।प्रशासनिक दखल के बाद खुला जाम - चक्काजाम की सूचना मिलते ही भानुप्रतापपुर तहसीलदार सुरेंद्र उर्वसा, एसडीओपी और थाना प्रभारी रामेश्वर देशमुख दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। शुरुआत में किसान केवल मौखिक आश्वासन से हटने को तैयार नहीं थे, वे अपनी मांगों पर ठोस निर्णय और लिखित आश्वासन पर अड़े रहे। अंततः तहसीलदार द्वारा लिखित आश्वासन दिए जाने के बाद किसान शांत हुए। प्रशासन ने किसानों को भरोसा दिलाया है कि शुक्रवार तक लिमिट बढ़ाने के संबंध में उचित कार्यवाही की जाएगी। इस आश्वासन के बाद दोपहर 3 बजे मार्ग बहाल किया गया।

किसानों की पीड़ा: 'हर कदम पर परेशानी'

प्रदर्शनकारी किसानों ने अपनी व्यथा सुनाते हुए कहा कि उन्हें साल भर संघर्ष करना पड़ता है। पहले बुआई के सीजन में खाद-बीज के लिए कतारों में लगना पड़ता है, फिर मंडी खुलवाने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती है और अब अपनी मेहनत की फसल बेचने के लिए चक्काजाम जैसा कदम उठाना पड़ रहा है। जब तक हमारी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक हम पीछे नहीं हटेंगे। प्रशासन को किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता देनी चाहिए।

प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी किये जाने की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बीजापुर। जिला कांग्रेस कमेटी ने जिले के किसानों की समस्याओं को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर बीजापुर को ज्ञापन सौंपा है। सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई है कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान उपार्जन हेतू शासन द्वारा निर्धारित प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान का उपार्जन किया जाना है लेकिन बीजापुर जिले में ऐसा नहीं हो रहा है इसलिए जिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर मांग करती है कि विगत दिनों कार्यालय कलेक्टर (खाद्य शाखा) जिला बीजापुर के कार्यालयीन पत्र क्रमांक / खाद्य / धान उपार्जन / 2025-834 बीजापुर 06/12/2025 एवं कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भोपालपटनम, जिला बीजापुर के कार्यालयीन आदेश क्रमांक / 1357 / अविअ / रीडर-2 / 2025 भोपालपटन्म /12/2025 के माध्यम से जिला- बीजापुर के समस्त धान उपार्जन केन्द्रों में पंजीकृत किसानों का टोकन जारी किया जा रहा है जिसमें एक टोकन में प्रति एकड 15 क्विंटल से अधिक धान क्रय नही करने का निर्देश दिया गया है। उक्त आदेशों पर तत्काल रोक लगाते हुए पूर्व की भांति 21 क्विंटल प्रति एकड धान किसानों से खरीदे जाने का तत्काल आदेश दिया जाये। धान उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी की लिमिट को प्रति दिन कम से कम 5000 क्विंटल किया जावे, जिससे कि किसानों को अपनी उपज को बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से विक्रय कर सके। वर्तमान में बीजापुर जिले में सात हजार से अधिक वनभूमि पटटा धारी किसान हैं जिनका 'एग्रीस्टेक' के नाम पर खाद्य विभाग पंजीयन करने से बच रहा है, जिससे वनभूमि पटटा धारी किसान अपनी उपज को धान उपार्जन केन्द्रों में नहीं बेच पा रहे है, और न ही इन किसानो से धान खरीदी की जा रही है, जिससे किसान हताश और परेशान है। अन्य किसानों की तरह वन भूमि पटटा धारी किसानों का 'एग्रीस्टेक' करते हुए धान खरीदा जाये। गिरदावरी के नाम पर किसानों के कृषि रकबा को जानबूझकर कम किया जा रहा है जिससे किसान शासन द्वारा निर्धारित प्रति एकड 21 क्विंटल धान नही बेच पा रहे है, गिरदावरी के नाम पर कम किये गये रकबा को पूर्ववत रखे जाने एवं पुराने बारदाने की भारी कमी को यथाशीघ्र उपलब्ध कराने जिससे की किसानों को बारदाना की कमी न हो आदि संबंधी ज्ञापन सौंपा गया है।ज्ञापन सौंपे जाने के बाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन की सरकार है बावजूद इसके भाजपा अपने घोषणा पत्र 'मोदी की गारंटी' में किए गए वादों में आज तक एक भी वादा या गारंटी को पूरा नहीं किया है।

भानुप्रतापपुर में जन-आक्रोश के आगे झुका प्रशासन : स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए सीएमएचओ ने दिया 15 दिन का समय, भूख हड़ताल समाप्त

भानुप्रतापपुर। भानुप्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाली और प्रशासनिक अनदेखी के खिलाफ पिछले कई दिनों से उबल रहा जन-आक्रोश आखिरकार एक निर्णायक मोड़ पर पहुंचा। नगर पंचायत पार्षद पंकज राज वाधवानी के नेतृत्व में 21 दिसंबर से जारी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू किया गया था। जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर सी ठाकुर के ठोस आश्वासन के बाद समाप्त कर दिया गया है। आंदोलन के दौरान पंकज वाधवानी ने अस्पताल की स्थिति पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए इसे एक निष्क्रिय इमारत करार दिया। उन्होंने कहा कि 30-40 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले हजारों ग्रामीणों और आदिवासियों के लिए यह अस्पताल सिर्फ एक 'रेफरल सेंटर' बनकर रह गया है, जहां बुनियादी सुविधाओं का अभाव नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। भानुप्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अपनी बदहाली के कारण अब केवल एक 'रेफर सेंटर' बनकर रह गया है। सुविधाओं के अभाव और डॉक्टरों की मनमानी के कारण गरीब ग्रामीणों को मजबूरन निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है, जिसके लिए उन्हें अपनी जमा-पूंजी, घर और जमीन तक बेचनी पड़ रही है। इस बदहाली से त्रस्त स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने अब प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था।

लापरवाही का आलम : न डॉक्टर मिलते हैं, न स्ट्रेचर

ग्रामीणों का आरोप है कि अस्पताल में आपातकालीन स्थिति में पहुँचने वाले मरीजों को न तो समय पर डॉक्टर मिलते हैं और न ही स्ट्रेचर उठाने वाला कोई कर्मचारी। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का भी यहाँ उल्लंघन हो रहा है; गर्भवती माताओं को अस्पताल लाने-ले जाने के लिए वाहन की कोई सुचारू व्यवस्था नहीं है।

दिग्गजों ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

आंदोलन को समर्थन देते हुए आदिवासी नेता कृष्ण टेकाम ने कहा कि गरीब ग्रामीण इलाज के लिए अपनी जमीन-घर बेचने को मजबूर हैं। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यदि सुधार नहीं हुआ तो ढोल-नगाड़ों के साथ चक्का जाम किया जाएगा। वहीं, शिवसेना नेता चंद्रमौली मिश्रा ने तीखे तेवर दिखाते हुए कहा, पकज वाधवानी का पसीना बहेगा, तो शिवसेना का खून बहेगा। अस्पताल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए इसे आम जनता के अस्तित्व की लड़ाई बताया।

प्रशासन का आश्वासन और जूस पिलाकर तुड़वाई हड़ताल

बढ़ते दबाव और जन-आक्रोश को देखते हुए जिला चिकित्सा अधिकारी ने प्रदर्शन स्थल पहुंचकर आंदोलनकारियों से चर्चा की। उन्होंने विश्वास दिलाया कि एक सप्ताह के भीतर शासकीय अस्पताल की विभिन्न समस्याओं को दूर कर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। इस लिखित आश्वासन और 11 सूत्रीय मांगों पर सहमति के बाद, प्रशासन ने भूख हड़ताल पर बैठे लोगों को जूस पिलाकर प्रदर्शन समाप्त करवाया।

बुद्धिजीवियों की चुप्पी पर सवाल

अधिवक्ता राजेश तिवारी ने नगर के प्रबुद्ध वर्ग और प्रशासन को घेरते हुए पूछा कि क्या यह अस्पताल सिर्फ 'रेफर का पर्चा' काटने के लिए है? उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा और पानी बुनियादी अधिकार हैं और इनके लिए सड़क पर उतरना प्रशासन की विफलता का प्रमाण है।

मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, उनका संघर्ष जारी रहेगा, जिला स्तर का दर्जा : CHC भानुप्रतापपुर को व्यावहारिक रूप से जिला अस्पताल के रूप में विकसित कर बजट और आधुनिक उपकरण स्वीकृत किए जाएं।

बायोमेट्रिक उपस्थितिः डॉक्टरों और स्टाफ की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल प्रणाली लागू हो और लापरवाह कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

जांच सुविधाओं का विस्तार : सोनोग्राफी, सीटी-स्कैन, ब्लड बैंक, आईसीयू और पैथोलॉजी लैब को समय सीमा के भीतर शुरू किया जाए।

स्थानांतरण और जवाबदेही : वर्षों से एक ही स्थान पर जमे कर्मचारियों का तबादला हो और पूर्व की लापरवाहियों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

24X7 एंबुलेंस : भौगोलिक स्थिति को देखते हुए पर्याप्त एंबुलेंस और प्रशिक्षित स्टाफ तैनात किया जाए।

शास. काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गणित दिवस उत्साहपूर्वक संपन्न

जगदलपुर। शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जगदलपुर के गणित विभाग द्वारा गणित दिवसका आयोजन अत्यंत उत्साह और गरिमामय वातावरण में किया गया। इस कार्यक्रम का सफल संयोजन प्रो. एफ. आर. साहूविभागाध्यक्ष, गणित विभाग के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्त रहे। कार्यक्रम में प्रो. दुर्गेश कुमार देवांगन, प्रो. किशन कुमार मरावी तथा प्रो. दुर्गेश कोटांगले विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। गणित दिवस के अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने गणित विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए भाषण प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने गणित के महत्व, उसके व्यावहारिक उपयोग, वैज्ञानिक प्रगति एवं तकनीकी विकास में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपस्थित प्राध्यापकों ने भी गणित दिवस के ऐतिहासिक एवं शैक्षणिक महत्व पर अपने विचार साझा किए और विद्यार्थियों को तार्किक सोच व विश्लेषण क्षमता विकसित करने हेतु प्रेरित किया। मुख्य अतिथि डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि गणित केवल अंकों का विषय नहीं है, बल्कि यह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में निर्णय क्षमता और समस्या समाधान की आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों से गणित को भय नहीं, बल्कि मित्र की तरह अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया। गणित दिवस का यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी एवं सफल रहा।

किरन्दुल एनएमडीसी की उमंग टीम को एनसीक्यूसी नोएडा में प्राप्त हुआ एक्सीलेंस अवॉर्ड

किरंदुल। नोएडा में आयोजित चार दिवसीय 39 वें नेशनल कन्वेंशन ऑन क्वालिटी कॉन्सेप्ट एनसीक्यूसी में किरन्दुल एनएमडीसी परियोजना के 11बी क्रशिंग प्लांट की टीम उमंग ने भाग लिया था। जिसमें उमंग टीम को एक्सीलेंस अवार्ड प्राप्त हुआ। टीम के सदस्यों एस वी वी सत्यनारायणा मृत्युंजय साहू प्रदीपत दास लोकेश्वर राव ओमन गंगराले और मनोज कोड़ोपी ने बताया कि उक्त प्रतिस्पर्धा में टीम द्वारा प्लांट में होने वाले जाम की समस्या को कम करने मॉडल बनाया गया था। जिसमें उन्हें एक्सीलेंस अवॉर्ड प्राप्त हुआ जिससे पूरे टीम में खुशी का माहौल हैं।

किरंदुल में धूमधाम से मनाई गई संत गुरु घासीदास बाबा जयंती

किरंदुल। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले स्थित किरंदुल में सतनामी समाज ने बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ संत गुरु घासीदास बाबा की जयंती मनाई। गुरु घासीदास बाबा सतनाम पंथ के संस्थापक और समाज सुधारक हैं, जिन्होंने 'मनखे-मनखे एक' का संदेश देकर समानता और सत्य का प्रचार किया। कार्यक्रम की शुरुआत सतनामी समाज द्वारा ध्वज रैली से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए।इसके बाद सतनाम भवन में स्थित जैतखाम स्तंभ पर मुख्य अतिथि एनएमडीसी परियोजना प्रमुख रविंद्र नारायण ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दुर्ग जिले से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत विश्व की सबसे तेज गति वाला पंथी नृत्य रहा। इस रोमांचक और ऊर्जावान प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया और पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पंथी नृत्य सतनामी समाज की पारंपरिक लोक कला है, जो गुरु घासीदास बाबा की शिक्षाओं को जीवंत रूप देती है।इस अवसर पर दंतेवाड़ा से अपर कलेक्टर रमेश पात्रे का भव्य स्वागत किया गया।

पखांजुर में विधानसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का आयोजन संपन्न

पखांजूर। गृह विभाग एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जिले के युवाओं को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ने, उनकी प्रतिभाओं को निखारने एवं खेलों के प्रति उत्साहित करने के उद्देश्य से विधानसभा स्तरीय सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन पखांजुर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में किया गया। खेल महोत्सव के समापन समारोह में पहुंचे मुख्य अतिथि अंतागढ़ विधानसभा क्षेत्र के जन प्रिय विधायक विक्रम सिंह उसेंडी ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में युवाओं को सकारात्मक दिशा से जोड़ने का सतत प्रयास किया जा रहा है,पढ़ाई के साथ खेल और अनुशासन से विद्यार्थी और युवाओं में बेहतर भविष्य का निर्माण होगा। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए विशेष अतिथि भारतीय जनता पार्टी जिला कांकेर अध्यक्ष महेश जैन ने कहा कि खेलो इंडिया फिट रहो इंडिया। इसके बाद अतिथियों ने खेल महोत्सव में विजेता एवं उपविजेता रहे टीम एवं खिलाड़ियों को पुरस्कृत किये एवं समारोह के अंत में जनपद पंचायत कोयलीबेड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उदय नाग ने सभी अतिथियों, सभी विभागों के कर्मचारियो एवं खिलाड़ियों के प्रति आभार व्यक्त किया । इस उपलक्ष में समापन समारोह के अध्यक्ष दीपांकर राय जिला पंचायत कांकेर सदस्य एवं मंडल अध्यक्ष पखांजूर सहित भारतीय जनता पार्टी के जिला कांकेर के नेता राजा पांडे, राजा देवनानी, शंकर सरकार, अमित बोस, मिथुन गायन, स्वपन तरफदार, श्यामू तिवारी, निमाई हालदार गणेश मुखर्जी सहित भाजपा के अन्य नेता कार्यकर्ता एवं स्थानीय शासन के अधिकारी कर्मचारी वर्ग उपस्थित रहे। इससे पहले सुबह 10:30 बजे सांसद खेल समारोह का उद्घाटन किया गया।

अरविंद महाविद्यालय किरन्दुल द्वारा आनंद मेला का किया आयोजन

किरंदुल। शासकीय अरविन्द महाविद्यालय किरंदुल में साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विभाग द्वारा आनंद मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में किरन्दुल पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह उपस्थित रहें। उन्होंने छात्र छात्राओं की प्रतिभागिता एवं उत्साह की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर के हिरकने के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मेहंदी, रंगोली,स्वरचित कविता पाठ, वाद विवाद प्रतियोगिता एवं आनंद मेला का आयोजन किया गया। महाविद्यालयीन छात्र छात्राओं नेअत्यंत उत्साह के साथ विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। रंगोली में छात्राओं ने स्त्री की सामाजिक छवि, संघर्ष, कन्या भ्रूण हत्या, यौन हिंसा को सजीवता के साथ चित्रित किया। ईश्वर के प्रति भक्ति भाव एवं अंचल विशेष की संस्कृति तथा जनजातीय नायक 'बिरसा मुंडा 'के चित्र को रंगोली में स्थान दिया। स्वरचित कविता पाठ में महाविद्यालयीन प्रतिभागियो ने अपनी रचनात्म कता का परिचय दिया।कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर आयोजित वाद विवाद प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने अपने विचार रखे।आनंद मेला के माध्यम से छात्र छात्राओं ने अपनी व्यापारिक योजना, रूचि एवं प्रदर्शन को प्रदर्शित किया। आनंद मेले में छत्तीसगढ़ी, दक्षिण भारतीय, ओडिशा, चायनीज़ विभिन्न व्यंजनों ने स्वाद और सेहत के साथ आकर्षित किया। प्रतिभागियों को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम मे महाविद्यालय के साहित्यिक व सांस्कृतिक संयोजक बिंदु ठाकुर, रजनी मंडल, डॉ रवि रंजन, डॉ मनीष, डॉ ममता रात्रे, डॉ शबीना खान एवं समस्त प्राध्यापकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण अर्हता 1 जनवरी 2026 के संदर्भ में पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 23 दिसंबर को

कोण्डागांव। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 की स्थिति में फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्यक्रम सम्पन्न कराया जा रहा है। आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 23 दिसंबर 2025 (दिन-मंगलवार) को जिले के समस्त 635 मतदान केन्द्रों तथा विधानसभा क्षेत्र 82 केशकाल (अ.ज.जा.) तथा 83-कोण्डागांव (अ.ज.जा.) तथा 04-नारायणपुर (आशिक) के सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण कार्यालय/ सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण कार्यालयों में जनसाधारण के अवलोकनार्थ किया जावेगा। उक्त सूची का अवलोकन कर नागरिक यह जान सकते है कि उनका नाम मतदाता सूची में पंजीकृत है अथवा नहीं। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण-01.01.2026 के लिये दावा/ आपत्ति प्राप्त करने की तिथि 23.12.2025 (मंगलवार) से 22.01.2026 (गुरुवार) तक निर्धारित की गई है। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के नियम 13 के तहत उक्त अवधि में ऐसे पात्र नागरिक जिनका नाम मतदाता सूची में पंजीकृत नहीं है तथा ऐसे युवा जिनकी 01.01.2026 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण हो रही हो, अथवा 01 अप्रैल 2026, 01 जुलाई 2026 एवं 01 अक्टूबर 2026 तक की तिथि को अट्ठारह वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले है, ये अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आयोग द्वारा दावा/आपत्ति प्राप्त किये जाने हेतु निर्धारित तिथि दिनांक-23.12.2025 से 22.01.2026 तक ये कर्मी फार्म बी.एल.ओ./ अभिहित अधिकारी के पास उपलब्ध रहेंगे, जिन्हें अपने निवास क्षेत्र के मतदान केन्द्र में नियुक्त बी.एल.ओ./ अभिहित अधिकारी से कार्यालयीन दिवस समय में निःशुल्क प्राप्त कर आवश्यक प्रविष्टियों को पूर्ण कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा कर पावती प्राप्त कर सकते हैं। दावा/आपत्ति प्राप्त करने हेतु निर्धारित तिथियों को बी.एल.ओ. तथा अभिहित अधिकारी कार्यालयीन दिवसों में प्रातः 10:30 से सायं 5.30 बजे तक प्रत्येक मतदान केन्द्र में पुनरीक्षण अवधि में उपस्थित रहेंगे।

प्रधानमंत्री अभ्युदय योजना अंतर्गत ऋण के लिए आवेदन

कोण्डागांव। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति कोण्डागांव द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बैंक प्रवर्तित योजना प्रधानमंत्री अभ्युदय योजना के तहत ऋण एवं अनुदान प्रदान करने हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस योजना के अंतर्गत 87 हितग्राहियों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति के कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि योजना के अनुसार बैंक द्वारा न्यूनतम एक लाख के ऋण की स्वीकृति पर हितग्राही को 50 हजार रुपए अथवा ऋण राशि का 50 प्रतिशत अनुदान स्वरूप प्रदान किया जाएगा। अनुसूचित जाति वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियाँ एवं स्व सहायता समूह इस योजना के अंतर्गत आवेदन कर सकते हैं। प्रत्येक सदस्य को 50 हजार रुपए की अनुदान राशि से लाभान्वित किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी ऋण हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर कार्यालय, प्रथम तल, कक्ष क्रमांक-80 (जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्या., कोण्डागांव) से निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। आवेदक की आयु 18 से 50 वर्ष के मध्य होनी चाहिए तथा परिवार की वार्षिक आय ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में 2 लाख 50 हजार से अधिक नहीं होनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर रेल क्लब में ध्यान एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन !

बिलासपुर। कर्मचारियों में ध्यान के माध्यम से शान्ति, एकाग्रता एवं मानसिक संतुलन के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा चिन्ता, तनाव एवं अवसाद जैसी मानसिक अवस्थाओं से निजात दिलाने के उद्देश्य से विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर रेल क्लब में ध्यान दिवस कार्यक्रम का आयोजन मंडल रेल प्रशासन द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री विकास कुमार साहू मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने मेडिटेशन एवं ध्यान योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए दैनिक जीवन में ध्यान को अपनाने से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक लाभों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने सरल ध्यान तकनीकों का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया, जिससे उपस्थित कर्मचारियों को ध्यान की सकारात्मक अनुभूति प्राप्त हुई। कार्यक्रम में मंडल कार्मिक अधिकारी श्रीमती रुहिना तुफ़ैल खान सहित विभिन्न विभागों के अधिक संख्या में रेल कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे कार्यस्थल पर सकारात्मक ऊर्जा, बेहतर कार्यक्षमता एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास बताया। मंडल रेल प्रशासन द्वारा भविष्य में भी कर्मचारियों के मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने हेतु इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

आमामुड़ा एवं लारीपारा व्यपवर्तन योजना, नहर निर्माण के लिए भू-अर्जन हेतु समाघात दल ने की अनुशंसा

बिलासपुर। जिले के रतनपुर तहसील के ग्राम छेरकाबांधा एवं रतखण्डी में नहर निर्माण के लिए भूमि का अर्जन किया जाना है। सामाजिक समाघात दल ने ग्राम छेरकाबांधा एवं रतखण्डी में भू-अर्जन से पड़ने वाले प्रभाव का आंकलन किया। मूल्यांकन में पाया गया कि छेरकाबांधा गांव में भू-अर्जन से 1.02 एकड़ भूमि एवं रतखण्डी में भू-अर्जन से 2.61 एकड़ भूमि प्रभावित हो रही है जिसका समाघात दल ने किसानों से भी सहमति लिया और पाया कि अर्जित भूमि से कोई मकान आदि प्रभावित नहीं हो रहा है और न ही किसी भी परिवार के विस्थापन की संभावना है। सामाजिक समाघात दल द्वारा यह पाया गया है कि अधोसंरचना पर कोई बाधा नहीं है तथा अधोसंरचना का कार्य प्रभावित नहीं हुआ है। समाघात दल इस बात से संतुष्ट है कि जल संसाधन विभाग को जितनी भूमि की आवश्यकता है उतनी ही भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। समाघात दल ने ग्राम छेरकाबांधा एवं रतखण्डी तहसील रतनपुर के अंतर्गत जल संसाधन संभाग कोटा के नहर निर्माण हेतु ग्राम छेरकाबांधा में रकबा 1.02 एकड़ एवं रतखण्डी में रकबा 2.61 एकड़ भूमि का अर्जन लोकहित में किए जाने की अनुशंसा की है। ग्राम छेरकाबांधा में लारीपारा व्यपवर्तन योजना अंतर्गत नहर निर्माण होने से 4 गांवों की लगभग 600 हेक्टेयर एवं ग्राम रतखण्डी में आमामुड़ा व्यपवर्तन योजना अंतर्गत नहर निर्माण होने से 9 गांवों की लगभग 1600 हेक्टेयर कृषि भूमि पर सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना में फर्जीवाड़ा, रोजगार सहायक बर्खास्त

बिलासपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत जनपद पंचायत बिल्हा के ग्राम पंचायत खैरा (ड) में योजना के क्रियान्वयन में फर्जीवाड़ा सामने आने पर रोजगार सहायक मनोज सोनी को उनके पद से तत्काल प्रभाव से पृथक (बर्खास्त) कर दिया गया है। सीईओ जिला पंचायत ने बताया कि जांच में उनके द्वारा गलत जियो-टैग फोटो अपलोड कर 1 लाख 20 हजार रुपये की राशि का गबन किया जाना प्रमाणित पाया गया। शिकायत प्राप्त होने पर जनपद पंचायत बिल्हा द्वारा जांच टीम गठित कर प्रकरण की जांच की गई। जांच के दौरान संबंधित आवास के जियो-टैग फोटो एवं भौतिक स्थिति में भिन्नता पाई गई। यह स्पष्ट हुआ कि रोजगार सहायक द्वारा वास्तविक हितग्राही के आवास का फोटो न लेकर किसी अन्य हितग्राही के आवास का फोटो अपलोड किया गया, जिसके आधार पर योजना की किश्त का आहरण कराया गया। जांच प्रतिवेदन में यह भी सामने आया कि श्री मनोज सोनी द्वारा उक्त राशि का दुरुपयोग करते हुए संपूर्ण राशि का गबन किया गया है। प्रकरण में गंभीर लापरवाही, कर्तव्यहीनता एवं फर्जीवाड़ा प्रमाणित पाए जाने पर जांच समिति ने उन्हें दोषी ठहराया।

सुशासन सप्ताह के तहत जिला स्तरीय नवाचार कार्यक्रम आयोजित

सहभागिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता से ही सुशासन संभव-अलंग

बिलासपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार 19 से 25 दिसंबर 2025 तक मनाए जा रहे सुशासन सप्ताह के अंतर्गत आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में जिला स्तरीय नवाचार कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डॉ. संजय अलंग मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. संजय अलंग ने कहा कि सुशासन का मूल सिद्धांत दो बातों निषेध और वंचना पर आधारित होता है। जितना अधिक अनावश्यक निषेधों को कम किया जाएगा और वंचनाओं को दूर किया जाएगा, उतना ही समाज में संतोष और खुशहाली आएगी। उन्होंने कहा कि यही वास्तविक सुशासन है। डॉ. अलंग ने आगे कहा कि सुशासन केवल नियमों और आदेशों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि वह सहभागितापूर्ण, जवाबदेह और संवेदनशील होना चाहिए। प्रशासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि अंतिम व्यक्ति तक उनका लाभ सुनिश्चित करना होना चाहिए। जब प्रशासन और समाज मिलकर कार्य करते हैं, तभी सुशासन की अवधारणा सार्थक होती है। उन्होंने सुशासन के 8 नियमों का पालन करते हुए अधिकारियों से अपने दायित्वों का निर्वहन करने की

बात कही जिससे विकास के लक्ष्य पूरे हो और समाज के सभी वर्गों का विकास हो। इस अवसर पर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि डॉ. संजय अलंग एक संवेदनशील और अनुभवी अधिकारी हैं। उनके प्रशासनिक अनुभव से जिले के अधिकारियों को मार्गदर्शन मिलेगा। कलेक्टर ने जिले में सुशासन के अंतर्गत किए जा रहे नवाचारों की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस विभाग द्वारा चेतना अभियान चलाया जा रहा है, जिसके माध्यम से नशे के विरुद्ध लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने शिक्षा विभाग की स्मार्ट क्लास, उद्यानिकी विभाग सहित अन्य नवाचारों पर भी प्रकाश डाला तथा जिले के विकास हेतु प्रस्तावित कार्यक्रम साझा किए। कलेक्टर ने कहा कि जिले के सभी अधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहे हैं तथा गांव-गांव में सुशासन सप्ताह के तहत समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह ने कानून व्यवस्था, जनभागीदारी और कम्यूनिटी पुलिसिंग के महत्व पर अपने विचार रखें। उन्होंने कहा कि उन्हें डॉ. अलंग जैसे अनुभवी प्रशासनिक अधिकारी के मार्गदर्शन में कार्य करने का अवसर मिला है जो उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि बेहतर कानून व्यवस्था के लिए जनभागीदारी आवश्यक है। जिले में कम्यूनिटी पुलिसिंग कार्यक्रम चेतना के माध्यम से नशा उन्मूलन, साइबर फ्रॉड और महिला सुरक्षा जैसे विषयों पर जनता को जागरूक किया जा रहा है, जिससे पुलिस और नागरिकों के बीच विश्वास बढ़ा है। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल ने बताया कि जिले में जल संरक्षण के क्षेत्र में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में किए गए नवाचारों के लिए जिले को सम्मान प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि सतत विकास के लिए जल संरक्षण को प्राथमिकता दी जा रही है। डॉ. संजय अलंग ने इस दौरान अधिकारियों की जिज्ञासाओं को भी शांत किया। कार्यक्रम में नगर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे, एडीएम श्री शिवकुमार बनर्जी, अपर कलेक्टर सुश्री ज्योति पटेल सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

जनदर्शन में कलेक्टर अग्रवाल ने सुनी लोगों की समस्याएं.....

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने साप्ताहिक जनदर्शन में आज दूर-दराज से पहुंचे ग्रामीणों की फरियाद सुनी। उन्होंने एक-एक कर प्रत्येक व्यक्ति से मुलाकात कर उनका आवेदन लिया और आवश्यक कार्रवाई के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। लोगों ने जनदर्शन में व्यक्तिगत एवं सामुदायिक हित से जुड़े विषयों को लेकर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करते हुए आवेदन दिया। नगर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे और एडीएम श्री शिवकुमार बनर्जी ने लोगों की समस्याओं को सुना। जनदर्शन में आज रिस्दा ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने सरपंच गौरव सिंह चंदेल के विरूद्ध ज्ञापन सौंपने हुए मामले में उचित कार्यवाही की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि वे ग्राम रिस्दा में लगभग 40 से 50

सालों से शासकीय भूमि पर मकान बनाकर निवासरत है। वर्तमान सरपंच उस भूमि पर तालाब निर्माण करवाना चाहते है। कलेक्टर ने सीईओ जनपद पंचायत मस्तुरी को मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश है। सकरी तहसील के ग्राम पंचायत देवरीकला निवासी हरीशंकर साहू ने शासकीय उचित मूल्य दुकान के संचालक द्वारा किये जा रहे गड़बड़ी की शिकायत की। संचालक द्वारा हितग्राहियों को केवल शक्कर का वितरण किया गया एवं चावल अगले माह ले जाने की बात कहीं गई। कलेक्टर ने मामले को खाद्य नियंत्रक अधिकारी को सौंपा। बरतोरी निवासी निर्मला डहरिया ने जनदर्शन में कलेक्टर से मुलाकात कर मोटराइज्ड ट्रायसायकल दिलाने की मांग की। निर्मला ने बताया कि वह एक पैर से विकलांग है जिससे उन्हें आने जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

बिलासपुर स्टेशन में चलाया गया किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान

194 मामलों से 1,24,115 रूपये बतौर जुर्माना वसूले गए

बिलासपुर। टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा एवं बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों की रोकथाम तथा स्टेशनों में यात्रियों को रेलवे नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से वरि.मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा सहा. वाणिज्य प्रबंधक श्री डी एस चौहान के नेतृत्व में बिलासपुर स्टेशन में आज दिनांक 23 दिसम्बर 2025 को किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में मुख्य टिकट निरीक्षक, टीटीई स्टाफ भी शामिल थे। इस दौरान बिलासपुर से गुजरने वाली 08 गाड़ियो मे गहन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया इस अभियान में कुल 194 मामलों से 1,24,115 रूपये बतौर जुर्माना वसूले गए । जिसमें बिना टिकट के 154 मामले से 1,10,430 रुपए, अनियमित टिकट के 35 मामले से 13,185 रुपए तथा बिना बुक किए गए लगेज के 05 मामले से 500 रुपए शामिल है प्रशासन यात्रियों से आग्रह करता है कि वे यात्रा हेतु उचित टिकट एवं रेल परिसर में प्रवेश करने के पहले प्लेटफार्म टिकट अवश्य खरीदें। एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म में जाने के लिये फुटओवर ब्रिज का प्रयोग करें। रेलगाडी राष्ट्रीय सम्पत्ति है, कृपया इसे साफ-सुथरा रखने में भी रेल प्रशासन को सहयोग रेल प्रदान करें ।

मूकबधिर/श्रवणबधिर दिव्यांगजनों के लिए रायपुर में विशेष रोजगार प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

कोरबा। उपसंचालक, रोजगार एवं विशेष रोजगार कार्यालय, रायपुर की डॉ. (श्रीमती) शशी अतुलकर द्वारा अवगत कराया गया है कि मूकबधिर/श्रवणबधिर दिव्यांगजनों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु दिनांक 23 दिसम्बर 2025 को एक विशेष रोजगार प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह कैम्प प्रात: 11:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक विशेष रोजगार कार्यालय (दिव्यांगजनों के नियोजन हेतु), पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर, राजभवन के बाजू, सिविल लाइन्स, रायपुर में आयोजित होगा। इस प्लेसमेंट कैम्प में फ्लिपकार्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर द्वारा एक्सीक्यूटिव असिस्टेंट के 10 पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से भर्ती की जाएगी। चयनित आवेदकों को स्कैनिंग, लोडिंग, अनलोडिंग, पैकिंग, पिकिंग एवं शॉर्टिंग से संबंधित कार्य करना होगा। चयनित आवेदकों को रूपये 11,000 से रूपये 14,000 प्रतिमाह वेतन प्रदान किया जाएगा तथा कार्यक्षेत्र तेन्दुआ, हीरापुर (रायपुर) रहेगा। छत्तीसगढ़ राज्य के समस्त इच्छुक मूकबधिर/श्रवणबधिर दिव्यांगजन, जिनकी आयु 18 से 45 वर्ष के मध्य है, इस प्लेसमेंट कैम्प में भाग ले सकते हैं। महिला एवं पुरुष दोनों ही दिव्यांग आवेदक पात्र होंगे। कैम्प में शामिल होने वाले दिव्यांगजन अपने साथ 10वीं/12वीं/स्नातक की अंकसूची, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र, रोजगार पंजीयन प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड के मूल दस्तावेज एवं उनकी एक-एक फोटोकॉपी तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो अनिवार्य रूप से लेकर उपस्थित हों।

कृषि विज्ञान केन्द्र में किसान दिवस एवं जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न....

■ स्वच्छता, प्राकृतिक खेती और आजीविका संवर्धन पर दिया गया जोर

बिलासपुर। कृषि विज्ञान केन्द्र बिलासपुर में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत मंगलवार को किसान दिवस सह एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कृषकों को स्वच्छ खेती, प्राकृतिक कृषि पद्धतियों एवं आजीविका के नवीन अवसरों से जोड़ना रहा। कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने खेती की आधुनिक तकनीक और नवाचारों की जानकारी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डा. शिल्पा कौशिक, प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, बिलासपुर ने विकसित भारत अभियान के अंतर्गत रोजगार एवं आजीविका से जुड़े वीबी-जी रामजी अधिनियम की जानकारी दी तथा किसान दिवस कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि डॉ. आर.के. एस. तोमर, प्रभारी अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, बिलासपुर ने खेती में स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कृषकों से पराली न जलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से खेतों के लाभकारी सूक्ष्म जीव एवं मित्र कीट नष्ट हो जाते हैं, जिससे मृदा की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। डा. एस.एल. स्वामी, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, लोरमी ने प्राकृतिक एवं जैविक खेती के सभी मापदंड अपनाकर मूल्य संवर्धन करने पर जोर दिया, जिससे कृषकों को उनकी उपज का उचित एवं अधिक मूल्य प्राप्त हो सके। वहीं डॉ. संजय वर्मा, प्रमुख वैज्ञानिक, क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान बिलासपुर ने प्राकृतिक खेती को अपनाने तथा सब्जी उत्पादन में रसायनों के न्यूनतम उपयोग की सलाह दी, ताकि मिट्टी की उर्वरता बनी रहे। कार्यक्रम में डा. अमित शुक्ला, वैज्ञानिक ने वीबी-जी रामजी अधिनियम के तहत रोजगार एवं आजीविका के अवसरों की विस्तार से जानकारी दी। इंजी. पंकज मिंज, वैज्ञानिक ने प्लास्टिक मल्चिंग के स्थान पर पैरा मल्चिंग एवं पैरा प्रबंधन के लाभ बताए। वहीं डा. निवेदिता पाठक, वैज्ञानिक ने प्लास्टिक के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए इसके न्यूनतम उपयोग का आह्वान किया। इस अवसर किसानों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

संरक्षा के सजग प्रहरियों को महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने सम्मानित किया.....

बिलासपुर। रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है । सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हर माह आयोजित संरक्षा बैठक के दौरान किया जाता है । इसी कड़ी में आज दिनांक 23 दिसम्बर, 2025 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत संरक्षा कोटि के 04 कर्मचारियो को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा सबंधी कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के द्वारा सम्मानित किया गया । बिलासपुर रेल मण्डल के पॉइंट मैन (टीए ढ्ढ), श्री देवेंद्र पॉइंट ने दिनांक 01 नवम्बर, 2025 को अपने ड्यूटी के दौरान गेट क्र. 328 से अप लाइन में गुजरती हुई माल गाड़ी में धुआँ निकल रहा था । जिसकी सूचना उन्होने स्टेशन मास्टर/ बाराद्वार को दिया । वहाँ जाँच के दौरान 13वा वैगन में हॉट एक्सल पाया और तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दी । इस प्रकार पुन: दिनांक 06 नवम्बर, 2025 को श्री देवेंद्र गेट क्र. 328 से डाउन लाइन में गुजरती हुई ट्रेन मालगाड़ी में धुआँ निकल रहा था । जिसकी सूचना उन्होने स्टेशन मास्टर/ शक्ति को दिया । वहाँ जाँच के दौरान 26 वा वैगन में हॉट एक्सल पाया तत्पश्चयात, आगे की कार्यवाही कर ट्रेन को सूरक्षित रवाना किया गया । इस प्रकार श्री देवेंद्र की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । नागपुर रेल मण्डल के लोको पायलट (यात्री)/ गोंदिया श्री कमल प्रसाद बोपचे ने दिनांक 15 अक्टूबर, 2025 को अपने ड्यूटी के दौरान हिरदामाली-गोंदिया

के बीच गनखेरा पर किलोमीटर 1011/14-13 के मध्य रेल्वे लाइन पर स्पीड बोर्ड एवं पत्थर रखे हुए मिले । गाड़ी रोक कर अवरोध को रेल्वे लाइन से हटाया एवं तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया । इस प्रकार श्री कमल प्रसाद बोपचे की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई ।नागपुर रेल मण्डल के तकनीशियन-ढ्ढढ्ढ /डोंगरगढ़ श्री दिग्विजय राय ने दिनांक 12 नवम्बर , 2025 को अपने ड्यूटी के दौरान सालेकसा में मशीन अनुरक्षण कार्य के दौरान समय लगभग 12:30 बजे मालगाड़ी के गुजरते समय न्यूट्रल सेक्शन तेजी से हिला । तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया जिसके उपरांत जाँच करने पर न्यूट्रल सेक्शन के दोनों रनर टेढे देखे एवं तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया । इस प्रकार श्री दिग्विजय राय की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई ।रायपुर रेल मण्डल के ट्रैक मैंटेनर ग्रेड-ढ्ढढ्ढ श्री निरंजन भुईयां ने दिनांक 05 नवम्बर, 2025 को अपने ड्यूटी के दौरान किलोमीटर 808/28-808/02 मिडिल लाइन (दायें तरफ) में वेल्ड क्रेक देखा । तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया । इस प्रकार श्री निरंजन भुईयां की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई ।इन संरक्षा कोटि के कर्मचारियों को सम्मानित किए जाने के अवसर पर प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी अन्य विभागाध्यक्ष सहित अधिकारीगण उपस्थित थे ।

टोकन तुंहर हाथ से बदली किसान की तक़दीर: गोढ़ी के किसान डमेंद्र डहरिया का कहना है

कोरबा। कोरबा जिले के विकासखंड कोरबा अंतर्गत ग्राम गोढ़ी के किसान श्री डमेंद्र कुमार डहरिया आधुनिक सुविधाओं और सरकार की किसान हितैषी व्यवस्था से संतुष्ट नज़र आते हैं। उन्होंने इस वर्ष लगभग 7 से 8 एकड़ भूमि में धान की फसल ली। उनके खेत में सिंचाई की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध है, जहां बोर के माध्यम से नियमित सिंचाई होती है। इस वर्ष श्री डहरिया ने नकटीखार स्थित धान उपार्जन केंद्र में कुल 59 क्विंटल धान का विक्रय किया। उन्होंने बताया कि धान बेचने के दौरान उन्हें किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं हुई। पिछले वर्ष उन्होंने लगभग 63 क्विंटल धान बेचा था, और तब की तुलना में इस बार व्यवस्था और भी बेहतर रही। किसान का कहना है कि वर्तमान में धान उपार्जन केंद्रों पर किसानों को किसी तरह की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता। केंद्र पर पहुंचने के बाद लंबी कतारों में खड़े होने की मजबूरी नहीं है। टोकन तुंहर हाथ एप्लीकेशन के माध्यम से किसान आसानी से टोकन कटवा लेते हैं और अपनी सुविधा अनुसार तय दिन पर धान विक्रय कर सकते हैं।श्री डहरिया ने यह भी बताया कि धान बेचने के कुछ ही दिनों के भीतर भुगतान सीधे उनके बैंक खाते में जमा हो जाता है, जिससे बैंक के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। सरल, पारदर्शी और त्वरित भुगतान व्यवस्था ने किसानों का भरोसा बढ़ाया है।

अमरूद में हैं कई तरह के पोषक तत्व

जानिए इसके सेहत के राज

अमरुद में कई तरह के पोषक तत्व होते हैं, जो हमारी सेहत के लिए जरूरी होते हैं। अगर आप अमरुद का सेवन करेंगे तो इससे सेहत को फायदा मिलेगा। अमरुद सेहत का खजाना है। इसमें कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो आपको कई तरह की बीमारियों से बचाने में सहायता करते हैं। अमरूद विटामिन-सी, कार्बोहाइड्रेट, डायटरी फाइबर, कॉपर, जिंक पोटैशियम, कैल्शियम आदि पोषक तत्वों से भरपूर है। इसको कब्ज और डायबिटीज की परेशानी में रामबाण इलाज माना जाता है। इतना ही नहीं ये त्वचा और बालों के लिए भी काफी फायदेमंद हैं। आइए जानते हैं अमरुद का सेवन करने से होने वाले फायदों के बारे में...

कब्ज से राहत:

अमरुद का सेवन करने से कब्ज की समस्या से राहत मिल सकती है। अमरुद में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जिससे मल त्यागने की क्रिया में सहायता मिलती है। अगर आप कब्ज से पीड़ित हैं, तो हर रोज अमरूद का सेवन करें। यह पाचन संबंधी परेशानी को दूर करने में कारगर माना जाता है। हालांकि सेवन करने से पहले डॉक्टर से जरूर सलाह लें।

दिमाग के लिए फायदेमंद:

अमरुद का सेवन करना दिमाग के लिए फायदेमंद होता है। अमरुद में विटामिन-बी3, विटामिन-बी6 पर्याप्त मात्रा में होता हैं, जो मस्तिष्क के विकास में सहायक है। अगर आप नियमित रूप से अमरूद का सेवन करते हैं, तो यह दिमाग को स्वस्थ बनाता है।

मोटापा होगा कम:

नियमित अमरुद को खाने से मोटापा कम हो सकता है। अमरुद फाइबर और प्रोटीन से भरपूर होता है। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो नियमित अपने आहार में अमरूद को शामिल करें। इसे खाने से पेट भरा महसूस होता है और आप ज्यादा खाने से बचते हैं।

खरीद रहे हैं शादी का लहंगा तो इन बातों का जरूर रखें ख्याल

शादी का दिन एक ऐसा दिन होता है, जिसका सपना हर लड़की देखती है। यह एक ऐसा फंक्शन है जहां आप केवल एक फंक्शन के लिए नहीं बल्कि हल्दी से लेकर मेहंदी, शादी और रिसेप्शन तक कई फंक्शन के लिए खरीदारी करते हैं। आइडिब्स लंदन, एक कॉउचर लेबल की संस्थापक आलिया दीबा कहती हैं, हर दुल्हन की इच्छा होती है कि उसके 'डी डे' के लिए सबसे अनोखी और खास पोशाक हो, लेकिन इतने काम और तैयारियों के साथ दुल्हन के लिए सही पोशाक का चयन करना मुश्किल हो जाता है।

एक बजट निर्धारित करें

शॉपिंग के लिए बाहर जाने से पहले अपने लिए एक बजट प्लान करें। यदि आप अपने लहंगे, गहनों और अन्य सामानों पर कितना खर्च करना है, तो यह वास्तव में मददगार होगा, ताकि जब आप ड्रेस खरीदने जाएं तो आपको अपने बजट के बारे में दुकानदार को पहले ही बता देना चाहिए।

ज्यादा लोगों को साथ न लें

जिन लोगों के साथ आप खरीदारी के लिए जाते हैं, उन्हें सीमित रूप में रखने की कोशिश करें। अपने साथ बहुत से लोगों को ले जाने से अलग-अलग राय शुरू हो जाएगी और आपके कपड़े के चयन के बारे में अधिक से अधिक भ्रम पैदा होगा।

रंगों की पसंद का ध्यान रखें

अपनी शादी की पोशाक चुनते समय रंग चयन एक बहुत ही समस्याग्रस्त पहलू है। अपने दिमाग में 1-2 रंगों का चयन रखें ताकि जब आप अपनी पोशाक की तलाश करें, तो आपको रंग चयन के बारे में ज्यादा भ्रम न हो। अपने लिए सही रंग का चुनाव करने से आप अपनी शादी के दिन सबसे खूबसूरत दिखेंगी।

डिजाइनरों और बाज़ार की एक सूची बनाएं

खरीददारी के लिए निकलने से पहले उन जगहों के बारे में पूरी तरह से अवगत हो जाएं, जहां आपको अपनी शादी की खरीददारी के लिए जाना है। ऐसी जगह ढूंढें जहां डिज़ाइनर और आपकी पसंद आसानी से उपलब्ध हों, ताकि आपको एक बाज़ार से दूसरे बाज़ार में न जाना पड़े।

अपने आभूषणों और जूतों का ध्यान रखें

अपनी पोशाक खरीदते समय अपने आभूषणों और जूतों का ध्यान रखें ताकि आप रंगों का समन्वय कर सकें और सब कुछ एक दूसरे का पूरक बन सकें। पहले से खरीदे गए आभूषण आपको अपने लिए सही नेकलाइन तय करने में मदद करेंगे।

अपने शरीर के प्रकार और रंग को जानें

हर व्यक्ति एक जैसा डिजाइन, पैटर्न या रंग नहीं पहन सकता। अलग-अलग चीजें अलग-अलग लोगों को सूट करती हैं। अपने शरीर के प्रकार और रंग के बारे में जागरूक होने से आपकी खरीदारी बहुत आसान हो जाएगी और आप आसानी से अपने लिए सही फिट और रंग पा सकेंगे।

लहंगा ट्राई करें

सुनिश्चित करें कि आप अपने लहंगे को आज़माएं क्योंकि यह पोशाक के बारे में स्पष्ट दृष्टि रखने में मदद कर सकता है और यह आप पर कैसा दिखता है। लहंगा ट्राई करने से आपको फिटिंग के साथ-साथ उसमें जरूरत के दूसरे जरूरी सामान के बारे में भी पता चल जाएगा।

मुंह में छाले क्यों होते हैं जानिए इसके लक्षण?

व्यक्तियों के अंदर छाले की समस्या होनी आम बात हो चुकी है। हमारे मुंह में किसी कारण से अनेक प्रकार की समस्याएं आ जाती हैं। आपने छाले की समस्या के बारे में भी सुना ही होगा साथ ही यह समस्या अनेक लोगों के अंदर देखी जाती है, जिसके कारण लोगों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जीभ, होंठ के पीछे या जबड़ों में होने वाले घाव का दर्द काफी तेज महसूस होता है। जिन लोगों को छाले की समस्या हो जाती है। ऐसे लोगों को भोजन करने में भी काफी कठिनाईयां होती हैं, जिसके कारण व्यक्ति ठीक से भोजन भी नहीं कर पाते हैं साथ ही उन्हें भूखे रहना पड़ता है। ऐसी स्थिति में उसकी परेशानियां और बढ़ जाती हैं। कई हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि छाले पेट की गर्मी के कारण मुंह में निकल जाते हैं।

यदि आपको बार-बार छाले की समस्या का सामना करना पड़ रहा है तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। मरीज को तुरंत किसी अच्छे डॉक्टर से इलाज कराना बेहद जरूरी हो जाता है। हमारे मुहं में छाले निकलने का सिर्फ एक ही कारण नहीं होता है बल्कि किसी भी कारण मुंह में छाले निकल सकते हैं। वैसे तो छाले एक या दो बार में ही दवा का सेवन करने से दूर हो जाते हैं, लेकिन आपको यह समस्या बार-बार आती हैं तो काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

मुंह में छाले होने के लक्षण

जिस व्यक्ति को छाले की समस्या हो जाती है उसे काफी आसानी से पहचाना जा सकता है। पीड़ित के होंठ, जीभ और भीतरी गाल में कुछ छोटे-छोटे घाव देखने को मिलते हैं जिसे छाले कहा जाता है। जब किसी व्यक्ति को छाले हो जाते हैं तो उस स्थान पर चारों तरफ लाल रंग के घेरे दिखाई देने लगते हैं। जहां छाले होते हैं वहां पर सूजन आ जाती है। सुबह में ब्रश करते समय दर्द अधिक बढ़ जाना। जिस व्यक्ति को मसालेदार, नमकीन या खट्टा खाने से मुंह में तेज दर्द होता है तो समझ जाएं की उसके मुंह में छाले निकल चुके हैं।

घर पर बनाएं एगलेस केक

बनाने के लिए आवश्यक सामग्री

- एक कप चीनी पाउडर
- दो कप मैदा
- आधा कप कंडेंस्ड मिल्क
- आधा कप दूध
- एक कप मक्खन
- एक टी स्पून बेकिंग सोडा
- एक कप वनिला एसेन्स
- एक कप किशमिश
- आधा कप टूटी-फ्रूटी
- पांच छोटी इलायची
- 10 चैरी
- आधा कप अखरोट
- 20 छिले हुए बादाम

इस तरह बनाएं

-सबसे पहले आप अखरोट, छोटी इलायची और किशमिश को अच्छी तरह साफ करके इसका पाउडर बना लें।

-एक बर्तन में बेकिंग सोडा और मैदा डालें और इन्हें अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण में चीनी का पाउडर और कंडेंस्ड मिल्क डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

-फिर इसमें किशमिश, अखरोट और इलायची का पाउडर डालें। इसके ऊपर बादाम, टूटी-फ्रूटी, वनीला एसेन्स डालकर अच्छे से इसे मिला लें।

- अगर आप का मिश्रण गाढ़ा हो गया है तो इसमें आप थोड़ा दूध मिला सकते हैं।

- अब इस मिश्रण को अपने पसंदीदा स्टैंड में घी लगाकर डालें। माइक्रोवेव में करीब 10 मिनट तक इसे पकाएं। जब ये पक जाए तो इसके ऊपर ड्राइफ्रूट्स और टूटी-फ्रूटी डालकर सजाएं। इस केक को तैयार होने में महज आधे घंटे का समय लगता है, जिसमें से 10 मिनट इसे पकने और 20 मिनट इसका मिश्रण आदि को तैयार करने में लगते हैं। घर पर बने एगलेस या अन्य किसी भी तरह का केक, उसकी सबसे खास बात ये होती है कि उसमें किसी भी तरह की मिलावट नहीं होती और ये बच्चों के सेहत के लिए अच्छा और खाने पर डाइजेस्ट जल्दी होता है।

कड़ी पत्ते हैं सेहत के लिए वरदान

जानें क्यों रोज़ करना चाहिए इसका सेवन?

कड़ी पत्ता तो आपने देखा ही होगा। यह बेसन की करी में अधिकतर इस्तेमाल किया जाता है,जो खाने के स्वाद को दोगुना बना देता है। जिससे शायद ज़्यादातर लोग वाकिफ है ही। आपको बता दें यह कई बिमारियों में काम आता है। यह केवल करी में ही नहीं हर सब्जी में आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसको घर में आप गमले में भी ऊगा सकते हो। इसको कहीं - कहीं मीठा नीम भी कहा जाता है-

1- वजन को कम करने में मदद करता है

एक शोध के मुताबिक ये पाया गया है मीठा नीम यानि करी पत्ता आपका वजन करने में काफी मदद कर सकता है। इसके सेवन करने से आपका कोलोस्ट्रॉल कम होता है और ट्राइग्लिसराइड के स्तर को भी कंट्रोल करता है, जिससे आपका वजन घटाने में मदद मिलती है। इसका खली पेट सेवन करने से अधिक फायदा होता है।

2- एनीमिया में फायदेमंद

इन पत्तों में कैल्शियम, आयरन, जिंक जैसे गुण होते हैं, जिसके सेवन से एनीमिया जैसी परेशानी में राहत मिलती है। करी लीव्स में एंटी - एनीमिया के गुण पाए जाते हैं। जिन लोगों को भी एनीमिया की समस्या होती है, उनको करी लीव्स रोज़ाना खाना चाहिए।

3- हार्ट प्रॉब्लम में मदद

आजकल अधिकतर हार्ट के मरीज देखने को मिलते हैं। हर दूसरे इंसान को दिल की बीमारी रहती है, कभी हार्ट अटैक आना तो किसी को सांस लेने में परेशानी होती है। ऐसे में उन लोगों को रोज़ाना खली पेट कड़ी पत्ते का सेवन करना चाहिए। यह हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारी के खतरे को कम करने में मदद करता है। क्योंकि यह एक आयुर्वेदिक औषधि है।

4- शुगर को करे कंटोल

जिन लोगों को शुगर की बीमारी है, उनके लिए यह एक बेहतरीन इलाज है। इसको रोज़ खाली पेट खाने से शुगर कंट्रोल में रहता है। यदि आप पत्तों का सेवन सीधे नहीं कर पाते तो आप दाल के या किसी भी अन्य सब्जी के तड़के लगाने में शामिल कर सकते हैं।

ये चीजें देती हैं एसिडिटी की समस्या को न्यौता

एसिडिटी पेट से जुड़ी एक ऐसी समस्या है, जो किसी को भी परेशान करके रख सकती है। एसिडिटी एक ऐसी दिक्कत है, जो एसिड रीफ्लक्स, सीने में जलन या फिर अपच जैसी पेट से जुड़ी दिक्कतों की भी वजह बनती है। अगर आपका पेट कमज़ोर है, तो आपको अक्सर इस तरह की दिक्कतों से जूझना पड़ सकता है। एसिडिटी अक्सर खाना खाने के तुरंत बाद या फिर रात के समय होती है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए दवाई लेनी ही पड़ती है। हालांकि, कभी आपने सोचा है कि आपकी डाइट में ऐसी क्या चीज़ें हैं, जो एसिडिटी का कारण बनती हैं? नहीं, तो आज हम बता रहा हैं खाने की चीज़ों के बारे में जो आपकी इस समस्या के पीछे हैं।

ज़रूरत से ज्यादा मसाले

अगर आप उन लोगों में से हैं, जिन्हें मसालेदार खाना पसंद है, खासतौर पर खाने में हरी मिर्च, तेज़ मिर्च वाली चटनी, चिली फ्लेक्स, तो आपको यकीनन एसिडिटी की भी समस्या होगी। एसिडिटी से छुटकारा पाने के लिए आपको मसालेदार और मिर्ची वाले खाने से भी दूरी बनाने की ज़रूरत होगी। रोज़ाना इस तरह का खाना सीने में जलन और एसिडिटी का कारण बनता है, जिसे ठीक करने में महीनों लग सकते हैं।

अचार

अगर आपको रोज़ाना खाने के साथ अचार खाने की आदत है, तो फिर आपको इस आदत को बदलना होगा। अचार में आमतौर पर विनेगर डाला जाता है, ताकि अचार खराब न हो और लंबे समय तक चले। विनेगर नैचर में एसिडिक होता है। कई तरह के अचार में ज़रूरत से ज्यादा मसाले और तेल भी डाला जाता है, जो पेट के लिए ठीक नहीं होते।

कोल्ड ड्रिंक्स

अगर आपको कोल्ड ड्रिंक पीना बेहद पसंद है, तो वक्त आ गया है कि इससे दूरी बनाएं और हेल्दी ड्रिंक्स का सेवन करें। पोषक तत्वों के मामले में ज़ीरो कोल्ड ड्रिंक, का सेवन न सिर्फ वजन बढ़ाता है, बल्कि पेट से जुड़ी समस्याओं को भी न्योता देता है, जैसे कि एसिडिटी। लंबे समय में यह ड्रिंक आपके पेट की लाइनिंग को भी नुकसान पहुंचा सकती है।

बादाम खाएं और अपनी सेहत बनाएं

लोग बादाम को सभी रूप में खाना पसंद करते हैं। दुनिया भर में बादाम को पसंदीदा फूड आइटम्स में से एक माना जाता है। हर व्यक्ति को अपने रोजाना के भोजन में बादाम को जरूर शामिल करना चाहिए। बादाम में स्वास्थ्य के लिए लाभकारी कई गुण होते हैं। बादाम ने भारतीय घरों में अपने लिए अलग जगह बना ली है। भारत में सवेरे बादाम खाना सदियों पुरानी परंपरा है। यह स्नैक्स के रूप में खाए जाते हैं, कई रेसिपीज में इनका इस्तेमाल होता है, त्वचा को बेहतर बनाने के लिए भी इन्हें खाया जाता है, यह सांस्कृतिक परंपराओं का हिस्सा होते हैं और इसे एक मूल्यवान उपहार भी समझा जाता है। हर साल 23 जनवरी को मनाया जाने वाला नेशनल आमंड डे इस स्वादिष्ट नट्स को पहचानने और बादाम को खाने से स्वास्थ्य को होने वाले फायदों के प्रति लोगों को जागरूक करने का एक तरीका है।

वजन का प्रबंधन : मुट्ठी भर बादाम में भूख मिटाने वाली विशेषताएं होती है, जिससे पेट भरा हुआ महसूस होता है। यह सुबह और रात के खाने के बीच भूख को मिटाने का कारगर उपाय हो सकता है।

डायबिटीज प्रबंधन : बादाम लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला भोजन है। कई रिसर्च स्टडीज में पाया गया कि अगर बादाम खाने के साथ खाए जाएं तो वह कार्बोहाइड्रेट से युक्त खाद्य पदार्थों के ब्लड शुगर के प्रभाव को कम करते हैं, जिससे डायबिटीज को मैनेज करने में मदद मिलती है।

त्वचा की सेहत : बादाम विटामिन ई (अल्फा टोकोफेराल) जैसे एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर होते हैं और इनमें एंटी-एजिंग के गुणों को देखा गया है। मुट्ठी भर बादाम रोज खाने से चेहरे पर झुर्रियां नहीं पड़ती। इससे त्वचा की रंगत भी निखरती है। रिसर्च से यह पता है कि बादाम खाने से अल्ट्रा वायलेट (यूवीबी) किरणों के प्रति त्वचा को प्रतिरोधक बनने में मदद मिल सकती है जोकि सूरज के संपर्क में आने पर त्वचा को नुकसान पहुंचाने का मुख्य स्रोत हैं। बादाम खाने से त्वचा की बनावट (टेक्सेचर) सुधरती है। आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी पुस्तकों के अनुसार बादाम त्वचा की सेहत के लिए अच्छे होते हैं और ये त्वचा की चमक को बढ़ाते हैं।

आंतों की सेहत : बादाम में डाइटरी फाइबर होता है जोकि हाल ही में की गई रिसर्च स्टडी के अनुसार स्वस्थ वयस्कों में ब्यूटाइरेट की मात्रा बढ़ाने में सहायक है। ब्यूटाइरेट एक तरह का लाभदायक शॉर्ट चेन फैटी एसिड होता है, जो बड़ी आंत में पाया जाता है। यह आंतों को स्वस्थ रखने में प्रमुख भूमिका निभाता है।

पकी हुईं सब्जियां खाना ज्यादा फायदेमंद या कच्ची सब्जियां? जानें

कई अध्ययनों से यह मालूम चलता है कि सब्जियों को कच्चा खाने की तुलना में सब्जियों को पकाकर खाने से जरूरी पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है। यही नहीं, सब्जियों का स्वाद भी पहले से बेहतर हो जाता है। रिसर्चर्स का कहना है कि सब्जियों को पकाने के लिए उबालना, भाप देना और तलना सबसे अच्छा ऑप्शन है। वहीं, कुछ अध्ययनों से यह भी मालूम चलता है कि खाना पकाने का हमारा तरीका सब्जियों के पोषण तत्वों को प्रभावित कर सकता है। एक स्टडी के मुताबिक, ब्रोकली को तलने, माइक्रोवेव में गर्म करने और उबालने से क्लोरोफिल, सॉल्युबल प्रोटीन, शुगर और विटामिन C की मात्रा कम हो सकती है। जबकि ब्रोकली को भाप देने से ऐसे परिणाम नहीं दिखते।

1- पालक

पत्तेदार सब्जी पालक पोषक तत्वों से भरपूर होती है। अगर आप इस सब्जी को पकाकर खाते हैं तो आप ज्यादा कैल्शियम और आयरन हासिल कर पाएंगे। इसका कारण यह है कि पालक ऑक्सालिक एसिड से भरा होता है, जो आयरन और कैल्शियम के अब्जॉर्प्शन को रोकता है, लेकिन पकने के बाद सब्जी से ज्यादा से ज्यादा पोषक तत्व हासिल किए जा सकते हैं।

2-टमाटर

टमाटर से विटामिन C की मात्रा तब कम हो जाती है, जब इनका सेवन पकाकर किया जाता है। हालांकि 2002 में जर्नल ऑफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री में पब्लिश एक स्टडी में पाया गया कि पके हुए टमाटरों में कच्चे टमाटरों की तुलना में लाइकोपीन का लेवल काफी ज्यादा होता है।

3- मशरूम

मशरूम एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होते हैं। पके हुए मशरूम में कच्चे मशरूम की तुलना में पोटेशियम, नियासिन और जिंक का लेवल ज्यादा होता है।

4- गाजर

गाजर बीटा-कैरोटीन कैरोटीनॉयड से भरपूर होता है, जिसे शरीर विटामिन A में कन्वर्ट करता है। ये हड्डियों की ग्रोथ में मदद करने, आंखों की रोशनी को बढ़ाने और इम्यून सिस्टम को अच्छे आकार में रखने में जरूरी भूमिका निभाता है।

कल्याण कॉलेज में राष्ट्रीय गणित दिवस

जीव-विज्ञान और कला के छात्रों ने भी गणित की प्रतियोगिताओं में मारी बाजी

भिलाई। शिक्षाधानी भिलाई के सेक्टर-7 स्थित कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की स्मृति में 'राष्ट्रीय गणित दिवस' उत्साहपूर्वक मनाया गया। कॉलेज के गणित विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में न केवल गणित के विद्यार्थियों ने, बल्कि कला और जीव-विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

गणित विभाग के अध्यक्ष और कार्यक्रम संयोजक डॉ. मयूर पुरी गोस्वामी ने बताया कि इस अवसर पर गणित के अनुप्रयोगों से संबंधित कुल आठ अलग-अलग विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में कुल 85 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से 21 विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. विनय शर्मा ने श्रीनिवास रामानुजन के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनके जीवन में आध्यात्म और गणित का अनूठा संगम था। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से छात्रों को समझाया कि गणित केवल अंकों का खेल नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। उप प्राचार्य डॉ. लखन चौधरी ने अन्य विषयों में गणित की अनिवार्यता को रेखांकित करते हुए अपने विद्यार्थी जीवन के संस्मरण साझा किए।कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के प्रमुख डॉ. गुणवंत चंद्रोल, समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. के.एन. दिनेश, अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनुराग पाण्डेय और भौतिक शास्त्र विभाग की अध्यक्ष डॉ. नीलम शुक्ला ने भी छात्रों को प्रेरित किया।कार्यक्रम का सफल संचालन सहायक प्राध्यापक श्रद्धा साहू ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन वरिष्ठ प्राध्यापक अविनाश तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभाग की सहायक प्राध्यापक चेतना गौर, नेहा सिंह, गीतेश्वरी वर्मा सहित बड़ी संख्या में शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित थे।

नशे में धुत्त छोटे भाई ने बड़े भाई पर किया चाकू से हमला, हालत गंभीर

दुर्ग। दुर्ग जिले में रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है। यहाँ एक विवाह समारोह के दौरान शराब के नशे में हुए विवाद के बाद छोटे भाई ने अपने ही बड़े भाई के पेट में चाकू घोंप दिया। घायल भाई को गंभीर हालत में सुपेला के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी भाई को हिरासत में ले लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, घटना सुपेला थाना क्षेत्र की है। आरोपी विजय कोलते और उसका बड़ा भाई अजय कोलते एक परिवारिक विवाह समारोह में शामिल होने गए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, समारोह के दौरान दोनों भाइयों ने जमकर शराब पी। नशे की हालत में दोनों के बीच किसी पुरानी बात को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच गाली-गलौज और हाथापाई होने लगी। इसी दौरान आक्रोश में आकर छोटे भाई विजय कोलते ने पास ही रखा एक चाकू उठाया और अपने बड़े भाई अजय के पेट पर जानलेवा हमला कर दिया। चाकू लगते ही अजय लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। चीख-पुकार सुनकर मौके पर मौजूद मेहमान और रिश्तेदार वहाँ पहुँचे और तुरंत घायल अजय को सुपेला स्थित सरकारी अस्पताल पहुँचाया।

सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुँची और आरोपी विजय कोलते को हिरासत में ले लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले में कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

राष्ट्रीय किसान दिवस पर दौड़ा शहर, फिट इंडिया का दिया संदेश

भिलाई । राष्ट्रीय किसान दिवस के मौके पर आज भिलाई की सड़कों पर उत्साह का नजारा देखने को मिला। अन्नदाताओं के सम्मान और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष 'रन' (दौड़) का आयोजन किया गया। इस दौड़ में 8 साल के बच्चों से लेकर 60 साल के बुजुर्गों तक ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और 'फिट इंडिया' का संदेश साझा किया।

ईडी पवन कुमार ने दिखाई हरी झंडीः- इस दौड़ का शुभारंभ भिलाई इस्पात संयंत्र (ब्रस्क) के अधिशासी निदेशक (श्रष्ठ) पवन कुमार ने फ्लैग ऑफ कर किया। धावकों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने स्वयं कार्यक्रम की कमान संभाली। आयोजन के समापन पर विभिन्न आयु वर्गों के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

किसानों के सम्मान में अनूठी पहल : इस अवसर पर ईडी पवन कुमार ने कहा कि अमूमन किसानों के नाम पर ऐसे खेल आयोजन कम ही देखने को मिलते हैं, लेकिन भिलाई इस्पात संयंत्र हमेशा ऐसे रचनात्मक कार्यों का समर्थन करता है जो समाज को सेहतमंद बनाते हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा, ÷माध्यम कोई भी हो, यदि लोग सुबह उठकर दौड़ लगा रहे हैं और ऐसे आयोजनों का हिस्सा बन रहे हैं, तो वे अपनी सेहत के प्रति जागरूक हो रहे हैं। स्वस्थ समाज के लिए ऐसे आयोजन निरंतर होने चाहिए।÷

बड़ी संख्या में उमड़े नागरिक:: भिलाई इस्पात संयंत्र के सहयोग से आयोजित इस रन में शहर के नागरिकों ने भारी संख्या में मौजूदगी दर्ज कराई। कड़ाके की ठंड के बावजूद लोगों का जोश कम नहीं था। प्रतिभागियों ने कहा कि यह दौड़ न केवल उनके स्वास्थ्य के लिए बेहतर है, बल्कि देश के किसानों के प्रति सम्मान प्रकट करने का एक शानदार तरीका भी है।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री की 'दिव्य हनुमंत कथा' के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी, जानें रूट और पार्किंग प्लान

भिलाई। भिलाई के जयंती स्टेडियम में आगामी 25 दिसंबर से 29 दिसंबर तक आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर धाम) की 'दिव्य हनुमंत कथा' के लिए प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। कथा में उमड़ने वाली लाखों की भीड़ को देखते हुए यातायात पुलिस दुर्ग ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष ट्रैफिक एडवाइजरी और डायवर्शन प्लान जारी किया है।

यातायात पुलिस के अनुसार, वीआईपी पास वाले वाहनों के लिए प्रवेश के अलग रास्ते तय किए गए हैंः

हेलीपेड ग्राउंड पार्किंगः वीआईपी वाहन चोपड़ा पेट्रोल पंप से प्रवेश कर हेलीपेड ग्राउंड में पार्क किए जा सकेंगे।

कला मंदिर पार्किंगः पुलिस पेट्रोल पंप के सामने से प्रवेश कर कला मंदिर और उसके सामने स्थित वीआईपी पार्किंग में वाहन खड़े किए जाएंगे।

आम श्रद्धालुओं और बस-ऑटो के लिए निर्देशः

ऑटो और बस से आने वाले श्रद्धालुओं को पुलिस पेट्रोल पंप के पीछे स्थित पार्किंग या सेक्टर-07 स्कूल पार्किंग में उतारा जाएगा।

अन्य जिलों (रायपुर, बेमेतरा, बालोद, राजनांदगांव, धमतरी) से आने वाले वाहनों के लिए भी निर्धारित पार्किंग स्थल तय किए गए हैं।

नो-एंट्री और प्रतिबंधित मार्गः

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कुछ रास्तों पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगीः

उतई तिराहा से जवाहर उद्यान चौक (फॉरेस्ट एवेन्यू मार्ग)ः इस मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा।

जयंती स्टेडियम कटिंग (फॉरेस्ट एवेन्यू) से कार्यक्रम स्थलः इस हिस्से में पैदल आना-जाना भी सुरक्षा कारणों से प्रतिबंधित किया गया है।

पुलिस की अपीलः

यातायात पुलिस दुर्ग ने अपील की है कि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए श्रद्धालु निर्धारित मार्गों और पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें। कथा के दौरान सुचारू यातायात सुनिश्चित करने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

-:रुट /पार्किंग:-इस तरह से रहेगा

1- रायपुर, चरोदा एवं भिलाई 03 की ओर से आने वाले वाहन चालकः- रूट :- कुम्हारी ,पावर हाउस चौक , पावर हाउस अण्डर ब्रिज , मूर्गा चौक,सेक्टर 06 पुलिस ग्राउण्ड (पार्किंग) (एवं) भिलाई विधालय सेक्टर 02 (पार्किंग) , कथा स्थल (पैदल)

2- बेमेतरा, धमधा दुर्ग की ओर से आने वाले वाहन चालक - रूट :- धमधा, धमधा नाका ओवर ब्रिज ,ग्रीन चौक ,राजेन्द्र पार्क, वाय सेप ब्रिज ,सेक्टर 9 चौक ,सेक्टर 07 स्कूल ग्राउंड पार्किंग / सेक्टर 10 गणेश पंडाल ,कथा स्थल (पैदल)

3- राजनांदगांव, बालोद, की ओर से आने वाले वाहन चालक - रूट :- राजनांदगाव/बालोद , पुलगांव चौक ,जेल तिराहा ,डीपीएस चौक, भिलाई निवास कटिंग ,पोलो ग्राउंड पार्किंग ,कथा स्थल (पैदल)

4- धमतरी, पाटन की ओर से आने वाले वाहन चालक :- रूट :- धमतरी/पाटन ,उतई तिराहा ,डीपीएस चौक, भिलाई निवास कटिंग, पोलो ग्राउण्ड (पार्किंग) स्थल (पैदल)

इसके अलावा दिव्य हनुमंत कथा के दौरान इस सम्पूर्ण क्षेत्र में किसी भी प्रकार के भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा.

वाहन डायवर्शन पॉइंटः- उतई तिराहा - पंथी चौक - 7/8 चौक - 2.5 मिलियन चौक - मुर्गा चौक !दिव्य हनुमंत कथा, जयंती स्टेडियम भिलाई के लिए यातायात पुलिस दुर्ग ने जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी सभी व्हीआईपी पास वाले वाहन चालक अपने वाहन चोपड़ा पेट्रोल पम्प से प्रवेश कर वाहन हेलीपेड ग्राउंड में एवं पुलिस पेट्रोल पम्प के सामने से प्रवेश कर कला मंदिर एवं कला मंदिर के सामने ड्ढद्धक्कपार्किंग मे वाहन खड़ा करेंगे - ऑटो चालक एवं बस चालक श्रद्धालूगण को निर्धारित पार्किंग स्थल पुलिस पेट्रोल के पीछे पार्किंग/ सेक्टर 07 स्कूल पार्किंग में उतारेंगे! उतई तिराहा से जवाहर उद्यान चौक (फॉरेस्ट एवेन्यू मार्ग) तक सभी प्रकार के वाहन प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। जयंती स्टेडियम कटिंग (फारेस्ट एवेन्यू मार्ग) से कार्यक्रम स्थल जयंती स्टेडियम तक पैदल आना जाना प्रतिबंधित रहेगा। अपील- श्रद्धालुओं से अपील है कि असुविधा से बचने हेतु कथा स्थल जयंती स्टेडियम आने-जाने के लिए उपरोक्त मार्गा का उपयोग करें।

आज छत्तीसगढ़ बंद : आमाबेड़ा हिंसा और धर्मांतरण के विरोध में सर्व आदिवासी समाज का आह्वान, चैंबर ऑफकॉमर्स ने दिया समर्थन

दुर्ग । कांकेर जिले के आमाबेड़ा में हुई हालिया हिंसा और कथित धर्मांतरण के मामलों ने अब तूल पकड़ लिया है। इन घटनाओं और प्रशासन की कार्यप्रणाली के विरोध में 'सर्व आदिवासी समाज' ने 24 दिसंबर (बुधवार) को 'छत्तीसगढ़ बंद' का बड़ा आह्वान किया है। इस बंद को व्यापारिक जगत की शीर्ष संस्था 'छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्री' ने भी अपना पूर्ण समर्थन दे दिया है।

आपको बता दें,आमाबेड़ा क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से सांप्रदायिक तनाव की स्थिति बनी हुई है। सर्व आदिवासी समाज का आरोप है कि क्षेत्र में मिशनरी संस्थाओं द्वारा बड़े पैमाने पर धर्मांतरण कराया जा रहा है और विरोध करने पर सनातन धर्म के अनुयायियों पर हमले किए जा रहे हैं। समाज का यह भी आरोप है कि स्थानीय प्रशासन इन मामलों में एकपक्षीय कार्रवाई कर रहा है और शिकायतों की लगातार अवहेलना की जा रही है।

बंद की गंभीरता को देखते हुए छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्री की एक आपात बैठक बुलाई गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शांति और कानून-व्यवस्था के हित में इस बंद को समर्थन दिया जाएगा। चैंबर पदाधिकारियों ने कहा कि प्रदेश में निष्पक्ष प्रशासन और सुरक्षा का वातावरण अनिवार्य है, इसलिए कल व्यापारिक संस्थान बंद रखकर अपना विरोध दर्ज कराएंगे।

सर्व आदिवासी समाज के नेताओं ने आम जनता से अपील की है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से इस बंद को सफल बनाएं ताकि सरकार और प्रशासन तक उनकी मांगें प्रभावी ढंग से पहुंच सकें।

कन्या महाविद्यालय में वार्षिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक गतिविधियों का आगाज़

दुर्ग। शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वार्षिक उत्सव के अंतर्गत साहित्यिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम दिवस तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता, पूजा सामग्री थाली सज्जा एवं मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें आर्या अवस्थी, बी. कॉम. प्रथम वर्ष प्रथम, किरण निषाद, एम.ए. अंग्रेजी तृतीय सेम. द्वितीय एवं हर्षिता, एम.ए. अंग्रेजी प्रथम सेम. तृतीय स्थान पर रही। पूजा सामग्री थाल सज्जा प्रतियोगिता में भावना साहू बी.ए. तृतीय सेम. प्रथम, साक्षी पी.जी.डी.सी.ए. प्रथम सेम. द्वितीय एवं प्रिया गुप्ता, बी.एस.सी प्रथम. सेम. (गृहविज्ञान) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेहंदी प्रतियोगिता में सुरभि, बी.ए. तृतीय सेम. प्रथम, किरण निषाद एम.ए. अंग्रेजी तृतीय सेम. द्वितीय एवं कु. साक्षी पी.जी.डी.सी.ए. प्रथम सेम. तृतीय स्थान पर रही।

प्रतियोगिता के दूसरे दिन महाविद्यालय में बेस्ट ऑफवेस्ट, व्यंजन (नमकीन व मीठा) एवं दुल्हन सज्जा प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें महाविद्यालय की सभी संकाय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिसमें बेस्ट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता में मुस्कान यादव, पीजीडीसीए प्रथम सेम. प्रथम, वनीता मण्डावी, बी ए. तृतीय वर्ष द्वितीय एवं मेघा साहू, बी. ए. तृतीय सेम. तृतीय एवं किरण निषाद, एम. ए. तृतीय सेम. सांत्वना स्थान पर रही। व्यंजन (नमकीन व मीठा) प्रतियोगिता में भावना साहू बी. ए. तृतीय सेमेस्टर प्रथम, सीमा साहू बी. कॉम. प्रथम सेमेस्टर द्वितीय एवं निधि टिकरिया बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर ने तृतीय स्थान पर प्राप्त किया एवं दुल्हन सज्जा प्रतियोगिता में चंद्रकला एम. कॉम. तृतीय सेम. प्रथम, झरना बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर द्वितीय, राजलक्ष्मी बी. ए. तृतीय सेमेस्टर तृतीय एवं तृप्ति ठाकुर बी. ए. तृतीय वर्ष ने सांत्वना स्थान प्राप्त किये ।

साहित्यिक सांस्कृतिक कार्यक्रम के तीसरे दिन महाविद्यालय में एकल गायन, एकल नृत्य एवं समूह नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें महाविद्यालय की सभी संकाय की छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने बताया कि छात्राओं की छुपी प्रतिभाओं को निखारने का यही एक उपयुक्त माध्यम होता है और उनकी कलात्मक और रचनात्मकता में निखार आता है उन्होंने अन्य छात्रों को भी प्रोत्साहित करते हुए अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने को प्रेरित किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता छात्राओं को वार्षिक सम्मेलन में पुरस्कृत करने की जानकारी दी। छात्र संघ प्रभारी डॉ. अनुजा चौहान ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से छात्राओं को बहुत कुछ सीखने का अवसर मिलता है और छात्राओं को देखकर उनमें भी करने की ईच्छा जागृत होती है। विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रभारी एवं उनके सदस्यों के सहयोग से प्रतियोगिताएं सुचारू रूप से संपन्न हुई।

एक जनवरी 2026 से ई-ऑफिस सिस्टम होगी लागू

कलेक्टर ने समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा की

दुर्ग / कलेक्टर अभिजीत सिंह ने मंगलवार कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक में लंबित समय-सीमा प्रकरणों की विभागवार गहन समीक्षा की। साथ ही निराकृत प्रकरणों के संबंध में फाइल प्रस्तुत कर समीक्षा से डिलीट करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि 1 जनवरी 2026 से सभी विभागों में कार्य संपादन ई-ऑफिस के माध्यम से होगा। कलेक्टर ने ई-ऑफिस सिस्टम के संबंध में अधिकारियों को शासन की मार्गदर्शी निर्देशों से अवगत कराते हुए कहा कि प्रदेश में शासकीय कार्यों को अधिक प्रभावी, सरलीकृत उत्तरदायी और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से जिले स्तर में ई-ऑफिस सिस्टम प्रारंभ की जा रही है। उन्होंने कहा कि विभागों की पुराने फाइलों को भी धीरे-धीरे कर ई-ऑफिस सिस्टम में कन्वर्ट किया जाए। इसी प्रकार एक जनवरी 2026 से बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम भी लागू हो जाएगी। कलेक्टोरेट भवन एवं परिसर स्थित समस्त विभागों के अधिकारी-कर्मचारी बायोमेट्रिक अटेंडेंस के लिए एनआईसी के माध्यम से रजिस्ट्रेशन कराये।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि विभिन्न विभागों में जिला स्तरीय गठित की जाने वाली समितियों के संबंध में जानकारियां शीघ्र उपलब्ध कराये। उन्होंने कहा कि वन विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला एवं जनपद पंचायत, खाद्य नागरिक आपूर्ति, श्रम, कृषि, जिला आयुर्वेद, पशु चिकित्सा सेवाएं, समाज कल्याण, नगरीय प्रशासन, राजस्व, जिला चिकित्सालय, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं जेल विभाग से समिति गठन की कार्यवाही अपेक्षित है। कलेक्टर ने समीक्षा के दौरान जिले में चिन्हित वेटलैंड की जानकारी ली। वही वन भूमि व्यवपर्तन प्रकरणों की जानकारी शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी एसडीएम को संबंधित क्षेत्र में 400 केवी डबल सर्किट पावरग्रिड प्रभावित किसानों को मुआवजा राशि शीघ्र वितरित करने के निर्देश दिये। उन्होंने सिकलिन चिन्हांकन, वयवंदन, विद्यार्थियों का मेनडेन्टरी बायो अपडेट की जानकारी ली तथा विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन संबंधित तहसीलों में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। राशन कार्डो के केवाईसी नहीं करवाने पर कार्यवाही हेतु प्रस्ताव शासन को प्रस्तुत करने खाद्य नियंत्रक को निर्देशित किया।

कलेक्टर सिंह ने सभी एसडीएम को कोटवारी भूमि की जानकारी कलेक्ट्रेट को उपलब्ध कराने कहा। उन्होंने विभागों में संचालित एक योजना का एक बैंक खाता की जानकारी ली। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्माण कार्य एजेंसी विभागों को अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के स्वीकृत कार्य समयावधि में पूर्ण करने निर्देशित किया। कलेक्टर ने कहा कि अधिकारी, मुख्यमंत्री जनदर्शन, पीजी पोर्टल एवं कलेक्टर जनदर्शन के लंबित प्रकरणों को भी प्राथमिकता के साथ निराकृत करना सुनिश्चित करें।

बैठक में एडीएम अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंह एवं योगिता देवांगन, नगर निगम दुर्ग आयुक्त सुमीत अग्रवाल, नगर निगम रिसाली आयुक्त मोनिका वर्मा, नगर निगम भिलाई चरौदा के आयुक्त डी. राजपूत, सभी एसडीएम, जनपद सीईओ सहित समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

दुर्ग : रेंज साइबर थाना और ट्रेनिंग सेंटर का भूमि पूजन, पुलिस की दक्षता बढ़ाने के लिए 'दधीचि' हॉल का उद्घाटन

भिलाई/दुर्ग। दुर्ग पुलिस अब आधुनिक अपराधों और साइबर चुनौतियों से निपटने के लिए और भी सशक्त होने जा रही है। मंगलवार को दुर्ग रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (IG) रामगोपाल गर्ग (IPS) ने रेंज साइबर थाना तथा साइबर ट्रेनिंग सेंटर भवन के लिए चयनित भूमि का विधिवत पूजन किया। इसके साथ ही, रक्षित केंद्र (पुलिस लाइन) में नवनिर्मित 'दधीचि प्रशिक्षण हॉल' का भी उद्घाटन किया गया।

साइबर अपराधों पर लगेगी लगामः सेक्टर 06 स्थित महिला थाना के पास आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान आईजी श्री रामगोपाल गर्ग ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध एक बड़ी चुनौती हैं। रेंज साइबर थाना और विशेष ट्रेनिंग सेंटर बन जाने से न केवल अपराधों की रोकथाम होगी, बल्कि पुलिस कर्मियों को विवेचना के आधुनिक गुर भी सिखाए जाएंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि इस ट्रेनिंग सेंटर से पुलिस की कार्यक्षमता और दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

दधीचि हॉल में मिलेगी ट्रेनिंगः वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) विजय अग्रवाल (IPS) की उपस्थिति में पुलिस लाइन स्थित दधीचि प्रशिक्षण हॉल का लोकार्पण किया गया। इस हॉल का उपयोग पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को विभिन्न विषयों पर निरंतर प्रशिक्षण देने के लिए किया जाएगा।

कार्यक्रम में पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए, जिनमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सुखनंदन राठौर, एएसपी (IUCAW) पद्मश्री तंवर, डीएसपी (लाइन) चंद्र प्रकाश तिवारी, रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा, साइबर रेंज थाना प्रभारी पुष्पेंद्र भट्ट, उप निरीक्षक संकल्प राय और महिला थाना प्रभारी नीता राजपूत सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com